नई दिल्ली
15 अगस्त, 2026 शनिवार
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 135
RNI No. DELMUL/2012/47011
अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com
Email : timesofpedia@gmail.com

स्वियातेक ने रायबकिना को हराकर नेशनल बैंक ओपन खिताब जीता 07

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली का ट्रैफिक रुट रहेगा चेंज

सुबह 4 से 10 बजे तक कई रास्ते रहेंगे बंद

वेब वार्ता, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। समारोह के दौरान सुरक्षा और आम लोगों की सुविधा को देखते हुए दिल्ली में कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू रहेंगे। सुबह 4 बजे से 10 बजे तक कई सड़कों पर आम वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। इस दौरान नेताजी सुभाष मार्ग पर दिल्ली गेट से छत्ता रेल चौक, लोथियन रोड पर जीपीओ से छत्ता रेल चौक, एसपी मुखर्जी मार्ग पर एचसी सेन मार्ग से यमुना बाजार चौक और चांदनी चौक रोड पर फाउंटेन चौक से लाल किला तक यातायात प्रतिबंधित रहेगा। निषाद राज मार्ग, एस्प्लेनेड रोड और नेताजी सुभाष मार्ग की ओर जाने वाली लिंक रोड पर भी आम वाहनों की

आवाजाही प्रभावित रहेगी। इसके अलावा राजघाट से आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच रिंग रोड पर भी यातायात बंद रहेगा।

सी-हेक्सागन, इंडिया गेट, कोपरनिकस मार्ग, मंडी हाउस, तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बीएसजेड मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग, जेएल नेहरू मार्ग और निजामुद्दीन खट्टा से आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच रिंग रोड पर भी यात्रियों को जाने से बचने की सलाह दी गई है। सलीमगढ़ बाईपास से होकर गुजरने वाली आउटर रिंग रोड पर भी प्रतिबंध लागू रहेंगे। यात्रियों को परेशानी से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।

उत्तर-दक्षिण दिशा में अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग रोड, 11 मूर्ति, मदर टेरेसा क्रिसेंट, कमाल अतातुर्क मार्ग, कौटिल्य मार्ग, एसपी मार्ग, पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग, पंचकुइयां रोड और रानी झांसी रोड का इस्तेमाल किया जा सकता है। पूर्व से पश्चिम जाने वाले यात्रियों के लिए एनएच-24/एनएच-9, निजामुद्दीन खट्टा, बारापुल्ला रोड और रिंग रोड के रास्ते उपलब्ध रहेंगे। डीएनडी, बारापुल्ला रोड और रिंग रोड भी विकल्प होंगे। ट्रांस-यमुना से उत्तरी दिल्ली जाने वाले यात्री पुस्ता रोड, जीटी रोड, युधिष्ठिर सेतु और आईएसबीटी कश्मीरी गेट मार्ग का इस्तेमाल कर सकेंगे।

स्वतंत्रता दिवस पर 1,057 पुलिसकर्मी और सुरक्षाकर्मी होंगे सम्मानित

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर पुलिस, फायर, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस और सुधार सेवाओं के कुल 1,057 कर्मियों को वीरता और सेवा पदकों से सम्मानित किया जाएगा। इनमें 301 वीरता

पदक, 92 राष्ट्रपति पदक और 664 सराहनीय सेवा पदक शामिल हैं। 301 वीरता पदकों में सबसे अधिक 197 सम्मान वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में साहस और बहादुरी दिखाने वाले कर्मियों को मिले हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के 51, पूर्वोत्तर के 12 और देश के अन्य हिस्सों के 41 कर्मियों को वीरता पदक प्रदान किए गए हैं। इन 301 वीरता पदकों में 272 पुलिसकर्मी और 29 फायर सर्विस कर्मी शामिल हैं। वीरता पदक जीवन और संपत्ति की रक्षा, अपराध रोकने या अपराधियों को पकड़ने के दौरान दिखाई गई असाधारण बहादुरी के लिए दिया जाता है। इसमें कर्मी के दायित्व और उठाए गए जोखिम का भी आकलन किया जाता है।

संक्षिप्त वार्ता

सावरकर मानहानि केस में राहुल गांधी को राहत

नई दिल्ली। वीर सावरकर को लेकर कथित टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ दायर शिकायत और मजिस्ट्रेट की ओर से जारी समन आदेश को रद्द कर दिया है। मामले की सुनवाई जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी अभियोजन को आगे बढ़ाने के लिए यदि आवश्यक मंजूरी अनिवार्य है और वह उपलब्ध नहीं है, तो मामले की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जा सकती। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे का भी संज्ञान लिया, जिसमें अभियोजन के लिए आवश्यक मंजूरी दिए जाने का कोई उल्लेख नहीं था।

जेपी नड्डा की तबीयत बिगड़ी, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि 13 अगस्त की शाम उन्हें बेचैनी महसूस हुई, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया।

एम्स पहुंचने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने उनकी प्रारंभिक जांच की। स्वास्थ्य संबंधी स्थिति का आकलन करने के लिए हृदय से जुड़े परीक्षण भी किए गए। इनमें हृदय की धमनियों की स्थिति की जांच के लिए एंजियोग्राफी भी शामिल रही।

अस्पताल में नड्डा को एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में विशेष निगरानी में रखा गया है। डॉक्टरों की टीम उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यक चिकित्सा प्रोटोकॉल के तहत उपचार किया जा रहा है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। नड्डा के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए कई वरिष्ठ अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे। चिकित्सा दल उनकी स्थिति की नियमित निगरानी कर रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, फिलहाल किसी गंभीर स्थिति की जानकारी सामने नहीं आई है। डॉक्टर उनकी जांच रिपोर्ट और स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर आगे के उपचार को लेकर निर्णय ले रहे हैं।

प्रसिद्ध इतिहासकार सुमित सरकार का निधन

नई दिल्ली। प्रसिद्ध इतिहासकार सुमित सरकार का दिल्ली स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वे 87 वर्ष के थे। परिवार के करीबी लोगों के मुताबिक, वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उनकी स्थिति हाल के दिनों में अधिक खराब हो गई थी। सुमित सरकार का जन्म 1939 में प्रसिद्ध इतिहासकार सुशोभन सरकार के परिवार में हुआ था। उन्होंने कोलकाता के प्रेसिडेंसी कॉलेज और कलकत्ता विश्वविद्यालय से इतिहास की पढ़ाई की। आधुनिक भारत के इतिहास पर उनके शोध और लेखन को व्यापक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है।

अवकाश सूचना

15 अगस्त 2026 (स्वतंत्रता दिवस) के अवसर पर कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अंक 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित होगा।

- संपादक

8वें वेतन के लिए अभी कर्मचारियों-पेंशनर्स को करना होगा इंतजार

नई दिल्ली। करीब 70 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की नजरें 8वें वेतन आयोग की रिपोर्ट और उसकी सिफारिशों पर टिकी हैं। आयोग का गठन 3 नवंबर 2025 को हो चुका है, लेकिन अभी तक उसने अपनी रिपोर्ट पेश नहीं की है। सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि संशोधित वेतन, भत्तों और पेंशन की रूपरेखा अभी तय नहीं हुई है। इसके साथ ही नई वेतन-पेंशन व्यवस्था लागू होने की तारीख भी घोषित नहीं की गई है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में लिखित जवाब में बताया कि 8वां केंद्रीय वेतन आयोग अभी अपनी सिफारिशें प्रस्तुत नहीं कर पाया है। ऐसे में कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को वेतन, महंगाई भत्ता (डीए), अन्य भत्तों और सेवानिवृत्ति लाभों में संभावित बदलाव के लिए आयोग की रिपोर्ट का इंतजार करना होगा।

सरकार के मुताबिक, आयोग को गठन की तारीख से 18 महीने के भीतर अपनी सिफारिशें देनी हैं। इस हिसाब से रिपोर्ट पेश करने की अंतिम समय-सीमा मई 2027 तक है। हालांकि, सरकार ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि आयोग की सिफारिशें लागू कब से होंगी। यही वजह है कि कर्मचारियों और पेंशनर्स के बीच संशोधित वेतन और पेंशन की प्रभावी तारीख को लेकर असमंजस बना हुआ है।

8वें वेतन आयोग के दायरे में करीब 35.77 लाख केंद्रीय कर्मचारी और 33.76 लाख पेंशनर्स आते हैं। रक्षा पेंशनभोगियों को इसमें शामिल नहीं किया गया है। पेंशनभोगी संगठन आयोग के सामने अपनी मांगें रख रहे हैं। इनमें महंगाई भत्ता और महंगाई राहत (डीआर) में हर तीन महीने पर संशोधन की मांग प्रमुख है। मौजूदा व्यवस्था में डीए और डीआर में साल में दो बार बदलाव होता है। मांग है कि बढ़ती महंगाई के असर को देखते हुए तिमाही आधार पर संशोधन किया जाए।

वांगचुक बोले- ऐसे तो 2047 तक विकसित देश नहीं बन पाएगा भारत

नई दिल्ली। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने भारत की प्रति व्यक्ति आय और देश की मौजूदा व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा है कि अगर हालात इसी तरह बने रहे तो भारत 2047 तक विकसित देश नहीं बन पाएगा।

उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में भारत से पीछे या उसके बराबर रहे कई देश आर्थिक और सामाजिक विकास के मामले में आगे निकल गए हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर सम्मानजनक स्थान बनाए रखने के लिए बड़े बदलाव जरूरी हैं।

गुरुवार देर रात जारी एक वीडियो संदेश में वांगचुक ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। इस दौरान उन्होंने देश और उसके भविष्य को लेकर काफी विचार किया। उन्होंने कहा कि देश की शासन व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं किया जा सकता। अलग-अलग दलों की सरकारों के दौरान भी विरोध की आवाजों को दबाने की शिकायतें सामने आती रही हैं।

वांगचुक ने 2012-13 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि इसके बाद राजनीतिक बदलाव जरूर हुआ, लेकिन सरकार बदलने के बावजूद भ्रष्टाचार और अन्याय जैसी समस्याएं खत्म नहीं हुईं। उनके मुताबिक अब ये समस्याएं नए रूप में और ज्यादा गंभीर हो गई हैं। उन्होंने देश में नेतृत्व चुनने की प्रक्रिया में बदलाव की जरूरत बताते हुए शांतिपूर्ण क्रांति का आह्वान किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र और देश में ऐसे निस्वार्थ, निडर, चरित्रवान और सक्षम लोगों की पहचान करें, जो देश को नई दिशा दे सकें। वांगचुक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक ऐसे व्यक्ति का नाम सुझाए। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से मिलना उनके लिए स्वतंत्रता दिवस का तोहफा होगा और वे देश का नया भविष्य तैयार करने में उनकी भूमिका देखना चाहते हैं।

शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी वांगचुक ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद भी उन्हें नए नेतृत्व से बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। देश की प्रगति सीधे तौर पर शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी है और जब तक शिक्षा पीछे रहेगी, देश का भविष्य भी प्रभावित होगा। वांगचुक ने 28 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट-यूजी पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों के खिलाफ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। तबीयत बिगड़ने पर 18 जुलाई को उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। बाद में इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया। सरकार के आश्वासन के बाद उन्होंने 24 जुलाई को भूख हड़ताल समाप्त कर दी थी।

चंबा और नासिक में भूकंप के झटके, सुबह-सुबह कांपी धरती

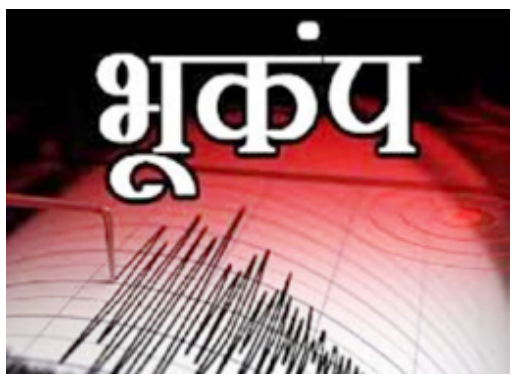

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चंबा और महाराष्ट्र के नासिक में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोनों राज्यों में आए भूकंप की तीव्रता कम रही, जिससे किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, अचानक धरती हिलने से लोगों में दहशत का माहौल बन गया। नासिक में कुछ घंटों के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए, जबकि चंबा में सुबह के समय धरती कांपी। भले झटके हल्के थे लेकिन लोग डर गए और घरों से बाहर निकल पड़े।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे भूकंप आया। इसकी तीव्रता 3.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र चंबा में जमीन से करीब 5 किलोमीटर नीचे बताया गया है। इसका केंद्र 33.131 अक्षांश और 76.585 देशांतर पर दर्ज किया गया। कम तीव्रता के कारण फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, महाराष्ट्र के नासिक जिले में शुक्रवार को कुछ घंटों के अंतराल में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहला झटका रात 12:05 बजे आया, जिसकी तीव्रता 3.5 थी। इसके बाद सुबह 5:32 बजे 3.4 तीव्रता का दूसरा भूकंप दर्ज किया गया। झटके महसूस होने के बाद कुछ इलाकों में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, दोनों घटनाओं में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। इससे पहले महाराष्ट्र के पालघर जिले में भी हाल के दिनों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इसके अलावा लद्दाख के लेह क्षेत्र में भी भूकंप दर्ज किया गया था।

घर में एलपीजी सिलेंडर के नियम: दो से ज्यादा पर जुर्माना

वेब वार्ता, नई दिल्ली। क्या आपके घर में एक से ज्यादा गैस सिलेंडर इस्तेमाल हो रहा है, जिसमें एक रिजर्व के तौर पर रखा हुआ है? यह स्थिति कई लोगों के लिए सामान्य बात है, लेकिन इससे जुड़े कुछ जरूरी नियम हैं जिनकी जानकारी होना बेहद जरूरी है। खासकर इस समय में जब मिडिल ईस्ट संकट के बाद एलपीजी और डबल सिलेंडर कनेक्शन को लेकर पहले लगी पाबंदियों में राहत दी गई है और अब इसतरह के आवेदनों को मंजूरी मिल रही है। आमतौर पर, घरेलू एलपीजी कनेक्शन में दो सिलेंडर रखने की अनुमति होती है, एक सिलेंडर खाना पकाने के लिए और दूसरा आपातकालीन स्थिति के लिए रिजर्व में रखा जाता है। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए है ताकि एक सिलेंडर खत्म होने पर तुरंत दूसरे का इस्तेमाल कर सके। हालांकि, घर में जरूरत से ज्यादा सिलेंडर जमा करना नियमों के खिलाफ जा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि आप दो से अधिक भरे हुए एलपीजी सिलेंडर घर में रखते हैं, तब इसके लिए संबंधित अधिकारियों से विशेष अनुमति लेनी पड़ सकती है।

भारतीय सेना में नेपाली युवाओं की भर्ती शुरू करने की मांग

पोखरा में गोरखा के पूर्व सैनिकों ने किया प्रदर्शन

वेब वार्ता, पोखरा। नेपाल के पोखरा में पूर्व गोरखा सैनिकों और उनके समर्थकों ने भारतीय सेना में नेपाली युवाओं की भर्ती फिर शुरू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने अग्निपथ योजना के तहत नेपाली युवाओं की भर्ती प्रक्रिया तत्काल बहाल करने की मांग की। यह प्रदर्शन भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ के 16 अगस्त से शुरू होने वाले पांच दिवसीय नेपाल दौरे से कुछ दिन पहले हुआ। प्रदर्शन का आयोजन इंडियन एक्स-सर्विसमैन गोरखा ब्रिगेड नेपाल पोखरा की ओर से किया गया। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन कार्यालय के माध्यम से नेपाल सरकार को दो सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इसमें भारतीय सेना में नेपाली युवाओं की भर्ती तत्काल शुरू करने और सोल्जर शब्द वाले पूर्व सैनिक संगठनों के नवीकरण की मांग की गई।

ब्रिगेड के अध्यक्ष कर्नल कृष्ण बहादुर खत्री ने कहा कि सुगौली संधि के बाद से 207 वर्षों से अधिक समय से नेपाली युवाओं की भारतीय सेना में भर्ती होती रही है। उनके मुताबिक अग्निपथ योजना लागू होने के बाद नेपाल सरकार ने विभिन्न कारणों से भर्ती प्रक्रिया रोक दी। इससे युवाओं के रोजगार के अवसर प्रभावित होने के साथ गोरखा सैनिकों की पीढ़ियों पुरानी परंपरा पर भी संकट खड़ा हो गया है। पूर्व सैनिकों का कहना है कि भारतीय सेना में सेवा नेपाली युवाओं के लिए रोजगार का बेहतर विकल्प है। उनका दावा है कि अग्निपथ के तहत चार वर्ष की सेवा के दौरान युवा करीब 45 से 50 लाख रुपये तक कमा सकते हैं।

जारी रहेगा आन्दोलन

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह खाड़ी देशों में कठिन परिस्थितियों और कम वेतन पर काम करने की तुलना में बेहतर अवसर है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

पीपलकोटी की निर्माणाधीन टनल में हादसा, 7 मजदूरों की मौत

वेब वार्ता, चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के पीपलकोटी में अलकनंदा नदी पर निर्माणाधीन विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टनल में गुरुवार शाम भूस्खलन और अचानक जल रिसाव से बड़ा हादसा हो गया। हादसे के वक्त टनल के भीतर काम कर रहे 22 मजदूर फंस गए। बचाव अभियान के दौरान सात मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 14 घायलों को जिला अस्पताल गोपेश्वर में भर्ती कराया गया है। तीन मजदूर अब भी लापता हैं।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक टनल के भीतर लूज क्षेत्र का एक हिस्सा अचानक

टूटकर नीचे आ गया। इसके साथ ही ऊपरी हिस्से में जमा पानी तेज बहाव के साथ टनल में घुस गया। मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पहले धमाके जैसी तेज आवाज सुनाई दी और उसके बाद पानी व मलबा तेजी से अंदर आया। कुछ मजदूर इसकी चपेट में आ गए, जबकि कई अचानक आए पानी में फंस गए।

हादसे में घायल मजदूरों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं। पंजाब के तरनतारन निवासी 47 वर्षीय सबीर सिंह का जबड़ा टूट गया। उन्होंने बताया कि टनल अचानक टूटने के साथ तेज पानी अंदर आया और मजदूर इधर-उधर गिरने लगे। छत्तीसगढ़ के 20 वर्षीय सुनील दीवान ने बताया कि हादसे के समय मजदूर परियोजना की पीपलकोटी साइड में मौजूद थे और देखते ही देखते पानी भरने लगा। झारखंड के मजदूरों ने भी अचानक धमाके जैसी आवाज सुनाई देने और तेज जलप्रवाह आने की जानकारी दी। एक घायल मजदूर के दोनों पैर मलबे की चपेट में आकर जख्मी हुए हैं। हिमाचल प्रदेश के घायल तिलक राज के अनुसार, टनल के करीब 1,800 मीटर बिंदु पर जलप्रवाह आया और इसी दौरान हादसा हुआ। पीपलकोटी की इसी परियोजना की सुरंग में पहले भी बड़ा हादसा हो चुका है। 30 दिसंबर 2025 को शिफ्ट बदलने के दौरान मजदूरों और कर्मचारियों को ले जा रही लोको ट्रेन की सामान ढोने वाली दूसरी लोको ट्रेन से टक्कर हो गई थी।

जस्टिस यशवंत वर्मा की क्या बढ़ जाएंगी मुश्किलें?

रिपोर्ट में आरोपों को बताया जा चुका है सही

वेब वार्ता, नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा गठित जांच समिति ने दिल्ली स्थित सरकारी आवास के स्टोर रूम में भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लगे तीनों आरोपों को सही पाया है। समिति की यह रिपोर्ट बुधवार को संसद के दोनों सदनों में पेश कर दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस वर्मा अपने आवास पर मिली नकदी की मौजूदगी, उसके स्रोत और स्वामित्व को लेकर कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके अलावा, रिपोर्ट में साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ किए जाने का भी गंभीर जिक्र किया गया है। चूंकि जस्टिस वर्मा अप्रैल 2026 में ही अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं, इसलिए अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ खड़ा हुआ है कि क्या उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होगा और क्या उन्हें जेल की हवा खानी पड़ सकती है।

इस पूरे प्रकरण ने भारतीय न्यायिक इतिहास के पुराने मामलों की यादें ताजा कर दी हैं। इससे पहले मद्रास और कलकत्ता हाईकोर्ट के जज रहे जस्टिस सीएस कर्णन के मामले में एक हाईकोर्ट के जज को जेल जाने की नौबत आई थी, हालांकि उनका मामला भ्रष्टाचार का नहीं बल्कि अदालत की अवमानना का था। साल 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका की गंभीर अवमानना के मामले में जस्टिस कर्णन को छह महीने की सजा सुनाई थी, जिसके बाद पश्चिम बंगाल पुलिस ने उन्हें कोयंबटूर से गिरफ्तार किया था। वह जेल जाने वाले देश के पहले मौजूदा हाईकोर्ट जज बने थे। हालांकि, जस्टिस वर्मा का मामला उससे अलग है, क्योंकि यह सीधे तौर पर उनके सरकारी आवास से बरामद बेहिसाब नकदी और साक्ष्यों से जुड़ा हुआ है। जस्टिस वर्मा के मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई को लेकर देश के जाने-माने कानूनी विशेषज्ञों की राय बंटी हुई है।

संपादकीय

वी डोंट केयर संसद

राहुल गांधी और अमित शाह बुनियादी तौर पर दोनों लोकसभा सांसद हैं। चूंकि राहुल विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के संसदीय दल के नेता हैं, लिहाजा उन्हें नेता प्रतिपक्ष तय किया गया है। अमित शाह प्रधानमंत्री मोदी की कैबिनेट के सदस्य हैं और उन्हें गृहमंत्री का दायित्व सौंपा गया है। दोनों ही नेता संसद से सुप्रीम नहीं हैं और न ही लोकसभा उनकी बपौती है। दोनों ही संसद के प्रति जवाबदेह हैं और नियम-प्रक्रिया से बंधे हैं। दिल्ली में छात्र, युवा आंदोलन के बाद गृहमंत्री अमित शाह संसद में दिखाई नहीं दिए। संसद भवन के अपने चैंबर में उपस्थित रहना और सदन में मौजूदगी बिल्कुल विपरीत स्थितियां हैं। गृहमंत्री को दोनों सदनों में बयान देकर आंदोलन के दौरान, उसके बाद और प्रदर्शनकारियों पर बर्बर हमलों को लेकर पहले ही स्पष्टीकरण दे देना चाहिए था। यह उनका संवैधानिक दायित्व था। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष यह मांग लगातार करता रहा कि गृहमंत्री सदन में आएं और बताएं कि पैलेट गन क्यों चलाई गई? कीलों वाली लाठियां क्यों भांजी गईं? किसने आदेश दिया था? गृहमंत्री के लिए गायब, लापता, भगोड़े, भाग गए सरीखे शब्द विपक्ष ने इसीलिए इस्तेमाल किए, क्योंकि न तो गृहमंत्री सामने आए और न ही बयान दिया। इन अमर्यादित, असंसदीय शब्दों की नौबत नहीं आनी चाहिए थी। नतीजा यह हुआ कि संसद की कार्यवाही निरंतर स्थगित होती रही। मॉनसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और बुधवार, 12 अगस्त, तक 18 दिनों की बैठकें हुईं, लेकिन लोकसभा में कुल 17 घंटे भी काम नहीं किया जा सका। विपक्ष के हंगामे, शोर, नारेबाजी के बीच ही 59 मिनट में 9 बिल ध्वनि-मत से पारित करने पड़े। हरेक बिल पर औसतन 3-5 मिनट खर्च किए गए और किसी भी बिल पर कोई चर्चा नहीं की गई। राज्यसभा में भी करीब 31 फीसदी काम किया जा सका। इन 18 दिनों में देश के करदाताओं के 118 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पर पानी फेर दिया गया, जबकि सांसदों के भत्ते अलग खर्च हैं। क्या इसी तरह देश का पैसा फूंकने और बिना चर्चा के बिल पारित करने को ही संसद बनी है? यहां यह भी प्रासंगिक है कि हमारी संसद अब साल में औसतन 50-65 दिन ही जुटती है और उस दौरान भी हंगामा मचा रहता है।

अमरीका, ब्रिटेन, जापान जैसे देशों में संसद साल में 140-160 दिन काम करती है। यह तुलना हमारे अधिकतर माननीय नहीं जानते होंगे! बहरहाल जब मॉनसून सत्र साइनेडाई (अनिश्चित काल के लिए स्थगित) होने को आया, तो गृहमंत्री अमित शाह सामने आए और हर सवाल का जवाब देने की बात कही। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब सदन में हंगामा मच रहा था, कार्यवाही लगातार स्थगित करनी पड़ रही थी, तो वह सदन में आकर क्या करते? यहां हमारा सवाल भी है कि क्या गृहमंत्री हंगामे, नारेबाजी के बीच सदन में कभी भी नहीं गए? क्या शोर-शराबे में ही उन्होंने अपनी बात नहीं रखी? अनुच्छेद 370 खत्म किया जा रहा था, तो सदन में विपक्ष ने कितना शोर मचाया था? क्या गृहमंत्री ने अपना प्रस्ताव नहीं पढ़ा? बहरहाल जब गृहमंत्री विस्तृत और बिंदुवार बहस और जवाबदेही को तैयार हुए, तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा-गृहमंत्री का लेक्चर सुनने में हमारी कोई दिलचस्पी नहीं। वह क्या बोलेंगे, वी डोंट केयर (हमें उसकी परवाह नहीं)। वह पैलेट गन और लाठीचार्ज पर सीधा जवाब दें। उसके बाद नेता प्रतिपक्ष ने गृहमंत्री के इस्तीफे का राग अलापना शुरू कर दिया। यदि पैलेट और लाठीचार्ज का आदेश गृहमंत्री ने दिया अथवा किसी और ने दिया और गृहमंत्री को उसकी जानकारी नहीं थी या बर्बर हमले का जिम्मेदार कोई भी हो, गृहमंत्री उसके लिए इस्तीफा दें। क्या संसद की कार्यवाही और प्रणाली यही है? गृहमंत्री के वक्तव्य का विरोध करना और बस एक जवाब ही सुनना, यह राहुल गांधी की जिद और अहंकार हो सकता है। सदन की प्रक्रिया तो स्पीकर तय करते हैं। उस संदर्भ में कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में निर्णय लिया जाता है, जिसमें लगभग सभी प्रमुख दलों के प्रतिनिधि होते हैं। गृहमंत्री से भी अपेक्षा थी कि विपक्ष सुनता या गैर-हाजिर रहता अथवा हंगामा मचता रहता, उन्हें अपना वक्तव्य देना चाहिए था, ताकि वह संसद के रिकॉर्ड में दर्ज हो जाता। यही देशहित था। संसद में केवल हंगामेबाजी हो और जनहित के मसलों पर कोई चर्चा ही न हो, तो यह लोकतंत्र को मजबूत नहीं बनाएगा। हर सियासी दल के सांसदों को जनता के मसले संसद में उठाने चाहिएं तथा सरकार पर उनके समाधान के लिए दबाव बढ़ाना चाहिए। तभी लोकतंत्र मजबूत होगा।

विभाजन विभीषिका और पंद्रह अगस्त

पाकिस्तान के लोग भी अब यह समझने लगे हैं कि अरब और तुर्क उनको अपने बराबर का मुसलमान नहीं समझते, बल्कि वे उन्हें अपना गुलाम ही मानते हैं। सैयद अपनी लडकी की शादी किसी बड़े से बड़े देसी मुसलमान से भी नहीं करेंगे। उनके लिए देसी मुसलमान एक प्रकार के अछूत हैं। देसी मुसलमानों की जड़ भारत में है, न कि अरब में। पाकिस्तान में बलोच, पश्तून और सिन्धी अब इसको जान गए हैं। भारत का देसी मुसलमान भी एटीएम के शिकंजे से निकलने के लिए चेतन हो गया है।

भारत के आधुनिक इतिहास में दो दिन महत्वपूर्ण हैं। चौदह अगस्त और पंद्रह अगस्त। पंद्रह अगस्त को ब्रिटेन ने भारत को अपने कब्जे से छोड़ दिया। उन्होंने सत्ता भारत के ही एक राजनीतिक दल कांग्रेस को सौंप दी थी। लेकिन यह सारा काम बिना शर्त नहीं हुआ था। कांग्रेस को सत्ता सौंपने से पहले ब्रिटेन ने यह शर्त लगा दी थी कि कांग्रेस बाकायदा एक प्रस्ताव पारित करे कि भारत को विभाजित कर दिया जाए। कांग्रेस दुविधा में थी। यदि भारत विभाजन का प्रस्ताव न पारित किया गया तो एक बार फिर जेलों में जाना पड़ेगा और आजादी की लड़ाई पच्चीस-तीस साल और लंबी चल सकती है। लेकिन शायद कांग्रेस का नेतृत्व अब जेल में जाने को तैयार नहीं था। कुछ विद्वानों ने समझाया भी। द्वितीय विश्व युद्ध ने हालात ऐसे बना दिए कि इंग्लैंड खुद खोखला हो गया। वह अब भारत पर अपना आधिपत्य आर्थिक कारणों से भी रख ही नहीं सकता। फिर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने भारतीय सेना में जो विद्रोह की चिंगारी जला दी है, वह अब फैल रही है। लेकिन कांग्रेस का नेतृत्व अधीर हो गया था। उसने सबसे आसान रास्ता चुना। भारत विभाजन के पक्ष में प्रस्ताव पारित करो और सत्ता अपने हाथ में लो। भारत विभाजन के पक्ष में कांग्रेस द्वारा प्रस्ताव पारित करने के बाद भारत विभाजित भी हो गया और आजाद भी हो गया। शायद यही कारण था कि आजादी का जश्न आधी रात को शुरू हुआ। दिल्ली में जब जश्न मनाया जा रहा था तो भारत के ही कटे हुए हिस्से से, जिसे अब पाकिस्तान का नाम दिया गया था, लाखों भारतीय इधर को आ रहे थे। लेकिन केवल इधर को आ रहे थे, कहने से क्या काम चल सकता है?

इधर को आते-आते, कहा जाता है दस लाख हिंदू-सिख मारे गए। क्यों मारे गए थे? क्योंकि कांग्रेस ने भारत के विभाजन का प्रस्ताव पारित कर दिया था। इतिहास का यह अजीब विरोधाभास था कि एक साथ लाखों लोगों का रक्त बह रहा था और आजादी का जश्न भी मनाया जा रहा था। इतिहास में कभी-कभी ऐसा भी होता है। बहुत दशकों बाद देश की सरकार को यह ध्यान आया कि आजादी और भारत विभाजन दोनों कहीं न कहीं आपस में जुड़ी हुई हैं। अतः आजादी का जश्न मनाते समय भारत विभाजन विभीषिका को स्मरण करना और इस विभीषिका में मारे गए भारतीयों को श्रद्धांजलि अर्पित करना भी हमारा राष्ट्रीय धर्म है। शायद यही कारण है कि इक्कीसवीं शताब्दी में सरकार ने अपने इस राष्ट्रीय धर्म को निभाने का निर्णय किया। लेकिन भारत विभाजन विभीषिका पर चर्चा करते समय ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे अवसरों पर यह मंथन भी किया जाता है कि विभाजन किन कारणों से हुआ और क्या इस विभाजन के बाद वे कारण समाप्त हो गए हैं? यदि विभाजन के कारण अब समाप्त हो गए हैं, तो क्या यह विभाजन समाप्ति की ओर पहला कदम है? चौदह और पंद्रह अगस्त के दिन चर्चा का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है। मोटे तौर पर यही माना जाता है कि विभाजन का कारण यह था कि जिन्ना को यह वहम हो गया था या फिर अंग्रेजों ने उसको यह वहम बेच दिया था कि हिंदू-मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते। लेकिन शायद असली कारण कुछ और था। अरब, तुर्क और मुगल (एटीएम) मूल के मुसलमानों को लगने लगा था कि पिछले पांच सौ सालों में हमने जिन हिंदुस्तानियों पर राज किया है, अंग्रेजों के चले जाने के बाद, हमें इन हिंदुस्तानियों के केवल साथ ही नहीं बैठना पड़ेगा, बल्कि शायद उनके राज में रहना पड़े। अरब मूल के सैयदों की तो यह सोच सोच कर ही नींद हराम हो रही थी। 1857 की आजादी की पहली लड़ाई में वे देख चुके थे कि भारत के हिंदू और देसी मुसलमान किस प्रकार कन्धे से कन्धा मिला कर अंग्रेजों के खिलाफ लड़े थे। इसके परिणामस्वरूप अंग्रेज और एटीएम एक साथ ही चौकन्ने हो गए थे कि मामला हाथ से निकलता जा रहा है।

1857 की लड़ाई के बाद सैयद अहमद खान और मिर्जा गालिब ने भारत के देसी मुसलमानों को जी भर भर कर गालियां निकाली हैं कि इन ह्यबदजातोंह्ल ने अंग्रेजों के खिलाफ बंदूक उठाई। अंग्रेजों को लगा कि हिंदू-मुसलमान को अलग-अलग करना चाहिए और एटीएम को लगा कि यदि भारत आजाद हो गया तो हमारी औकात क्या रह जाएगी? एटीएम में भी अरब मूल के सैयदों की चिंता सबसे ज्यादा थी। लेकिन सैयदों की चिंता का एक दूसरा कारण भी था। भारत के मुसलमानों में एटीएम मूल के मुसलमानों की संख्या तो महज पांच प्रतिशत ही है। वे अब भारत की राजनीति को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं? तब शायद अंग्रेजों ने जिन्ना, जो देसी मुसलमान था, को उसकी कीमत चुका कर खरीद लिया और उसे मुफ्त में सैयदों के हवाले कर दिया। भारत में ऐसे मुसलमानों, जो हिंदू से मुसलमान बने हैं और देसी मुसलमान, जो पसमांदा कहे जाते हैं, की संख्या 95 फीसदी है। अंग्रेजों ने सैयदों को समझा दिया कि अपने आगे इन देसी मुसलमानों को रखो और पीछे से नियंत्रण अपने हाथ में रखो। तब जिन्ना आगे-आगे दिखाई दे रहे थे और रस्सी सैयद खींच रहे थे। नारा लगा, हिंदू-मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते। पाकिस्तान बन गया। अंबेडकर भारत की जमीनी स्थिति को समझते थे। वे जानते थे कि इस विभाजन से जो विभीषिका पैदा होगी, उसमें लाखों लोग मारे जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस को समझाया कि जब आपने मजहब के आधार पर विभाजन स्वीकार किया है तो मजहब के आधार पर ही शांतिपूर्ण तरीके से जनसंख्या परिवर्तन की व्यवस्था कर लो। लेकिन लार्ड माउंटबेटन ने नेहरु को पहले ही समझा रखा था कि आपने इस संकट काल में सेक्युलर का मुकुट धारण किए रखना है ताकि आपकी छवि बनी रहे। उस छवि ने दस लाख निर्दोष भारतीयों की बलि ले ली। पाकिस्तान बन गया। सैयदों को अब देसी मुसलमानों की जरूरत नहीं रही। जिन्ना तो कुछ महीनों में ही मर गए और पाकिस्तान ने उनकी बहन को जेल में डाल दिया। लेकिन विभाजन के लगभग आठ दशक बाद भी विभाजन के कारण दूर हो गए हैं? क्या हम एक कदम भी आगे बढ़े? सबसे पहला कदम तो यही है कि हमने पंद्रह अगस्त से एक दिन पहले भारत विभाजन विभीषिका को याद करना शुरू कर दिया है।

दूसरा, भारत और पाकिस्तान के देसी मुसलमानों ने समझना शुरू कर दिया है कि उनका सैयदों ने अपने हितों के लिए दुरुपयोग किया है। देसी मुसलमानों का शोषण एटीएम ने किया है। पाकिस्तान के लोग भी अब यह समझने लगे हैं कि अरब और तुर्क उनको अपने बराबर का मुसलमान नहीं समझते, बल्कि वे उन्हें अपना गुलाम ही मानते हैं। सैयद अपनी लडकी की शादी किसी बड़े से बड़े देसी मुसलमान से भी नहीं करेंगे। उनके लिए देसी मुसलमान एक प्रकार के अछूत हैं। देसी मुसलमानों की जड़ भारत में है, न कि अरब में। पाकिस्तान में बलोच, पश्तून और सिन्धी अब इसको जान गए हैं। भारत का देसी मुसलमान भी एटीएम के शिकंजे से निकलने के लिए चेतन हो गया है। जैसे जैसे यह चेतना बढ़ेगी, वैसे वैसे सैयदों और अंग्रेजों का ह्यभारत विभाजन का संयुक्त षड्यंत्रह्ल सबके सामने आने लगेगा। विभाजन की मानसिक और भौगोलिक रेखा को समाप्त करना ही विभाजन के दस लाख बलिदानियों को श्रद्धांजलि होगी। इतिहास को भी उस दिन का इंतजार रहेगा। भारत आजाद हो गया, किंतु उसके लाखों नागरिकों को अपने खून से इसकी कीमत चुकानी पड़ी।

कुलदीप चंद अग्निहोत्री
वरिष्ठ स्तंभकार

केवाईसी बना जी का जंजाल

भारत सरकार ने सबसे पहले आधार कार्ड को बनाते समय यह कहा था। भारत के हर नागरिक को आधार के जरिए एक ऐसी पहचान मिलेगी, उसके बाद बार-बार किसी तरह के पहचान की जरूरत नहीं होगी। आधार के माध्यम से सारी व्यवस्थाएं सही तरीके से संचालित हो सकेंगी। आधार में पंजीयन के लिए बच्चों से लेकर बड़ों तक, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार के प्रत्येक सदस्य को शामिल किया गया। उसके बाद जन्म और मृत्यु होने पर आधार में अपग्रेड करना अनिवार्य किया गया। 2010 में जिनका पंजीयन हुआ था, उनका अपग्रेडशन आधार में कराया गया। अपग्रेड करने का शुल्क लिया जा रहा है। आधार के पंजीयन में जन्म प्रमाण पत्र, बायोमैट्रिक डाटा जिसमें फिंगरप्रिंट, आंख की पुतली और फोटो अनिवार्य की गई। वयस्कों और बच्चों के लिए पहचान पत्र, पता और जन्मतिथि का प्रमाण आवश्यक किया गया। आधार में पहली बार फिंगरप्रिंट और आंखों की पुतलियां स्कैन की गई। यह माना गया की इन दोनों चीजों में कभी बदलाव संभव नहीं होता है। आधार कार्ड पहचान का सबसे बड़ा माध्यम होगा। बच्चे जब बड़े हो जाएंगे, तब उनके भी फिंगरप्रिंट लिए जाते है।

भारत सरकार ने इसके लिए भारतीय विशेष पहचान प्राधिकरण का गठन किया। 29 सितंबर 2010 से आधार का पंजीयन शुरू हुआ, पिछले 15 वर्षों में सभी नागरिकों के पंजीयन के बाद पुनरीक्षण का काम शुरू हो चुका है। सरकार ने हर व्यवस्था में आधार को अनिवार्य कर रखा है। पिछले कुछ वर्षों से केवाईसी का एक नया खेल शुरू हो गया है। केवाईसी के नाम पर आम आदमियों को बार-बार अपनी पहचान बताने के लिए बैंकों में जाना पड़ता है। राशन के लिए बार-बार केवाईसी की मांग राशन दुकानदारों द्वारा की जाती है। इसी तरह से अब गैस एजेंसियों ने भी केवाईसी मांगना शुरू कर दी है। कोई भी सरकारी दस्तावेज हो उसमें आधार को अनिवार्य किया गया है। केवाईसी के लिये बार-बार कई दस्तावेजों की फोटो प्रति जमा कराई जाती है। केवाईसी के नाम पर बार-बार बैंक खाता का लेन-देन बंद कर देता है। गैस डिस्ट्रिब्यूटर गैस की सप्लाई बंद कर देता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली से राशन मिलना बंद हो जाता है। केवाईसी का भूत कब किसके ऊपर आ जाएगा, यह कहा नहीं जा सकता है। जैसे ही केवाईसी का भूत आता है, बैंकों में जमा पैसा ब्लॉक हो जाता है। राशन मिलना बंद हो जाता है। अब तो गैस के सिलेंडर भी मिलना बंद हो गए हैं। हर काम के लिए केवाईसी के लिए प्रिंटेड दस्तावेज संबंधित विभागों में जाकर जमा करने होते हैं।

आम आदमी अब केवाईसी से डरने लगा है। वह भूत ओर प्रेत की पीड़ा से एक बार में निपट सकता है। केवाईसी का भूत उतरने का नाम ही नहीं ले रहा है। केंद्र सरकार-राज्य सरकार और उसके विभागों और अधिकारियों की कोई जिम्मेदारी नहीं है। आम जनता बार-बार परेशान हो रही है। बार-बार उनके अधिकारों पर डाका डाला जा रहा है। भ्रष्टाचार और आर्थिक भार आम जनता पर बढ़ता जा रहा है। काम धंधा छोड़कर केवाईसी के लिये कई बार जाना पड़ता है। राशन की दुकानों पर परिवार के जितने सदस्य हैं, उन सब की केवाईसी कराने उसे लेकर जाना पड़ता है। जब तक केवाईसी पूरी नहीं होती है, तब तक राशन इत्यादि बंद हो जाता है। यह पहली बार हो रहा हो ऐसा नहीं है। केंद्र सरकार राज्य सरकार को इस संबंध में गंभीरता से विचार करना होगा। केवाईसी के माध्यम से भ्रष्टाचार और आम नागरिकों के हक और अधिकारों पर डाका डाला जा रहा है। जब आधार में सरकार के पास परिवार के मुखिया, उसके सभी सदस्यों के फिंगरप्रिंट और आंखों की पुतलियों की स्केनिंग है। तब केवाईसी का खेल बार-बार क्यों खेला जा रहा है। लोग अब कहने लगे है, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और केवाईसी के नाम पर बड़ी-बड़ी कंपनियों की कमाई के लिये आम लोगों को लूटने का यह नया तरीका है। सरकार को केवाईसी कब जरूरी होगी, इसके नियम स्पष्ट करना जरूरी है।

लेखक- सनत जैन

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल सत्ता परिवर्तन नहीं

भारत का स्वतंत्रता संग्राम सही मायने में भारतीय समाज के आत्मसम्मान, अधिकारों और स्वशासन की आकांक्षाओं का व्यापक संघर्ष था। लगभग दो शताब्दियों के औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध अलग-अलग क्षेत्रों, संप्रदायों, वर्गों और विचारधाराओं के लोगों ने संघर्ष किया। इस लंबे आंदोलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने एक महत्वपूर्ण राजनीतिक मंच उपलब्ध कराया। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस और अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे जन-आंदोलन का स्वरूप देने में निर्णायक भूमिका निभाई।

1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के बाद भारतीयों को अपनी राजनीतिक मांगों को संगठित रूप से उठाने का मंच मिला। प्रारंभिक दौर में दादाभाई नौरोजी, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, गोपाल कृष्ण गोखले जैसे नेताओं ने संवैधानिक तरीकों से ब्रिटिश शासन की आर्थिक और प्रशासनिक नीतियों का विरोध किया। दादाभाई नौरोजी ने ह्यधन निकासी सिद्धांतह्ल के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि औपनिवेशिक शासन भारत की संपदा को किस प्रकार बाहर ले जा रहा है।

बीसवीं सदी में स्वतंत्रता आंदोलन ने नया मोड़ लिया। महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस व्यापक जनभागीदारी वाली शक्ति बनी। गांधी ने सत्य और अहिंसा को राजनीतिक संघर्ष का हथियार बनाया। चंपारण सत्याग्रह, खेड़ा आंदोलन और अहमदाबाद मिल आंदोलन ने किसानों और श्रमिकों के बीच उनकी लड़ाई लड़कर कांग्रेस नेतृत्व को स्थापित किया। इसके बाद असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन ने ब्रिटिश शासन की नींव को चुनौती दी। महात्मा गांधी का तब सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने स्वतंत्रता के प्रश्न को आम भारतीयों के जीवन और अधिकारों को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ दिया।

पंडित जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता आंदोलन को आधुनिक, वैज्ञानिक और लोकतांत्रिक दृष्टि देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे युवाओं और किसानों के बीच लोकप्रिय थे। पूर्ण स्वराज के प्रबल समर्थक बने। 1929 के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज को अपना लक्ष्य घोषित किया। 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया गया। नेहरू ने जेल यात्राओं और आंदोलनों के माध्यम से ब्रिटिश शासन का विरोध किया। स्वतंत्र भारत के लिए लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच की मजबूत आधारभूमि तैयार की।

स्वतंत्रता संग्राम में केवल कांग्रेस और उसके प्रमुख नेताओं का ही योगदान नहीं था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज के माध्यम से सशस्त्र संघर्ष का रास्ता अपनाया। सरदार वल्लभभाई पटेल ने किसान आंदोलनों और कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने का काम किया। स्वतंत्रता आंदोलन को समाज के हर वर्ग से जोड़ दिया। मौलाना अबुल कलाम आजाद ने राष्ट्रीय एकता और हिंदू-मुस्लिम एकता मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने अपने साहस और बलिदान से युवाओं में राष्ट्रीय चेतना पैदा की। सरोजिनी नायडू, अरुणा आसफ अली, उषा मेहता और कमलादेवी चट्टोपाध्याय जैसी आंदोलनरत महिलाओं ने भी स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा दी। बड़ी संख्या में महिलाओं को भी इस जन आंदोलन से जोड़ा।

भारत की आजादी किसी एक नेता, संगठन या आंदोलन का परिणाम नहीं थी। यह वर्षों तक चले राजनीतिक संघर्ष, जनांदोलनों, क्रांतिकारी गतिविधियों, सामाजिक जागरण और असंख्य ज्ञात-अज्ञात सेनानियों के त्याग का परिणाम 15 अगस्त 1947 की आजादी थी। कांग्रेस ने राजनीतिक मंच दिया, गांधी ने आंदोलन को जनशक्ति और नैतिक आधार प्रदान किया, नेहरू ने आधुनिक भारत की कल्पना को दिशा दी, लाखों सेनानियों ने अपने संघर्ष और जान माल के बलिदान से स्वतंत्रता की कीमत चुकाई। इसी सामूहिक प्रयास ने 15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित किया।

भारत में पहली बार सभी नागरिकों को मत देने का अधिकार मिला। सभी को समान अधिकार मिले। पहली बार भारत में लिखित संविधान के माध्यम से नागरिकों को मौलिक अधिकार के साथ जीने का अधिकार मिला। अब इस अधिकार को सुरक्षित बनाए रखने की जिम्मेदारी समस्त नागरिकों की है। देश के आजाद होने बाद पहली बार भारत के नागरिकों ने धार्मिक, सामाजिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने का अनुभव किया। इस आजादी को कायम रखना नागरिकों की ही जिम्मेदारी है। जो सत्ता में बैठे हुए लोग होते हैं, उनमें कभी-कभी निरंकुशता और निरंकारी होने का भाव आ जाता है। अभी जेन-जी और जेन-अल्फा ने अधिकार और कर्तव्य को लेकर हम जो भूल चुके थे उसे याद दिलाया है। डर, भय और लालच के साए में रहने लगे थे, युवाओं ने हमें नया रास्ता दिखा दिया है।

लेखक- सौरभ जैन अंकित

15 अगस्त

तिरंगा : भारत की आन, बान और शान

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल एक कपड़े या कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा और मध्य में अशोक चक्र भारतीयता के विभिन्न आयामों को दशार्ते हैं। तिरंगा न केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को बतलाता है, बल्कि यह भारत की एकता, विविधता और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

तिरंगे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। यह उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीयता का यह पहलू हमें नि:स्वार्थ भाव से देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इसी तरह से सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक यह रंग भारत की अहिंसावादी विचारधारा को रेखांकित करता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह ने न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि विश्व को शांति का संदेश भी दिया। यह रंग भारतीयता की उस भावना को दशार्ता है जो सहिष्णुता और सामंजस्य में विश्वास रखती है। हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और प्रकृति के प्रति भारत की गहरी आस्था को दशार्ता है। भारत की संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण का विशेष स्थान रहा है। यह रंग हमें सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता और प्रगति का प्रतीक है। यह सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित है जो न्याय, धर्म और नैतिकता का प्रतीक है। यह चक्र भारतीयता के उस दर्शन को दशार्ता है जो निरंतर प्रगति और नैतिकता के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है। भारतीयता एक ऐसी अवधारणा है जो भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को समेटे हुए है। तिरंगा इस भारतीयता का एक जीवंत प्रतीक है।

भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। तिरंगा इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। जैसे तिरंगे के तीन रंग एक साथ मिलकर एक पूर्ण ध्वज बनाते हैं वैसे ही भारत की विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक साथ मिलकर भारतीयता का निर्माण करते हैं। यह ध्वज हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक हैं। तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। यह उन असंख्य बलिदानों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। भारतीयता का यह पहलू हमें स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता अनमोल है और इसे बनाए रखने के लिए हमें सतत प्रयास करना होगा।

भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दशार्ने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था। ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम् लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केन्द्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है। इसके बाद 7 अगस्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी। शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाई तरफ सूर्य और दाई तरफ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम् का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगस्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को सप्तर्षि झंडेह्ल के नाम से जाना जाता है। यह ध्वज काफी कुछ वर्ष 1906 के झंडे जैसा ही था लेकिन इसमें सबसे ऊपरी पट्टी का रंग केसरिया था और कमल के बजाए सात तारे सप्तऋषि के प्रतीक थे।

भारतीय धरती पर तीसरे प्रकार का तिरंगा होम रूल लीग के दौरान फहराया गया था। ह्लहोम रूल आंदोलनह्ल के दौरान कोलकाता में एक कांग्रेस अधिवेशन के दौरान यह ध्वज फहराया गया था। उस समय ध्वज स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई का प्रतीक था। इसमें 9 पट्टियाँ थीं, जिसमें 5 लाल रंग और 4 हरे रंग की थी। ध्वज के ऊपरी बाएँ कोने में यूनियन जैक था। शीर्ष दाएँ कोने में अर्धचंद्र और सितारा था। ध्वज के बाकी हिस्सों में सप्तर्षि के स्वरूप में सात सितारों को व्यवस्थित किया गया था। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के पिंगले वेंकय्या ने बिजावाड़ा (अब विजयवाड़ा) में गांधीजी के निर्देशों के अनुसार सफेद,हरे और लाल रंग में पहला चरखा-झंडा डिजाइन किया था। इस ध्वज को स्वराज-झंडे के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। इस वर्ष तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद भारतीय नेताओं को स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का एहसास हुआ। तदनुसार ध्वज को अंतिम रूप देने के लिए एक तदर्थ ध्वज समिति का गठन किया गया। सुरैया बद्र-उद-दीन तैयब द्वारा प्रस्तुत स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को 17 जुलाई 1947 को ध्वज समिति द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। समिति की सिफारिश पर 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। तिरंगे में तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं जिनमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी जो देश की ताकत और साहस को दशार्ती है। बीच में श्वेत पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी देश के विकास और उर्वरता को दशार्ती है। तिरंगे के केंद्र में सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ होती हैं। यह चक्र एक दिन के 24 घंटों और हमारे देश की निरंतर प्रगति को दशार्ता है। तिरंगे को भारत की महिलाओं की ओर से 14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में समर्पित किया गया था। भारत ने राष्ट्रीय चिन्ह को 26 जनवरी, 1950 को अपनाया था। भारत के तिरंगे झंडे के ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2 :3 है। भारत का राज चिन्ह अशोक स्तम्भ के शीर्ष की एक प्रतिकृति है जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। अशोक स्तम्भ तीन शेरों की आकृति जिसके नीचे एक चौखट के बीच में एक धर्म चक्र है। इस चक्र के दाई ओर एक बैल और बाई ओर एक अश्व है। चौखट के आधार पर ह्यसत्यमेव जयतेह्ल शब्द अंकित है। भारत के राजचिन्ह में तीन प्रकारे के छः जानवर हैं-शेर (चार), बैल (एक), अश्व (एक) भारत का यह चिन्ह भारत की एकता का घोतक है। राष्ट्रीय चिन्ह के दो भाग शीर्ष और आधार हैं। शीर्ष पर शेर साहस और शक्ति का प्रतीक है। राष्ट्रीय चिन्ह के आधार भाग में एक धर्म चक्र है। चक्र के दायीं ओर एक बैल है तथा बायीं ओर एक घोड़ा है जो स्फूर्ति का ताकत व गति का। ह्यसत्यमेव जयतेह्ल मुंडकोपनिषद से लिया गया है। ह्यसत्यमेव जयतेह्ल का अर्थ सत्य की ही विजय है। भारत के तिरंगे झंडे में चरखे की जगह ह्लचक्रह्ल 1947 को अस्तित्व में आया। 26 जनवरी 2002 से फ्लैग कोड बदल गया है। भारतीयों को कहीं भी किसी भी समय गर्व के साथ झंडा फहराने की आजादी दे दी गयी है। अभी कुछ समय पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 19 ए अनुच्छेद के तहत ध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में घोषित किया था जिसके बाद देश में भारतीय ध्वज को दिन -रात फहराने की अनुमति दे दी गई है। 15 अगस्त 1947 आजाद भारत के इतिहास का ऐतिहासिक दिन था जब अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाकर भारत में नई सुबह हुई थी। स्वतंत्रता मिलने के बाद पहली बार देशवासियों ने खुली हवा में साँस ली और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ। आजादी के बाद से देश के कई प्रधानमंत्रियों और सरकारों को देखा है लेकिन इस अमृतकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के हर-घर तिरंगा जन अभियानों के माध्यम से देश के प्रति जोश, जज्बा और प्रबल हुआ है। किसी भी देशवासी के लिए भारत और भारतीयता का भाव पहले होना चाहिए। यह मुहिम जाति, धर्म, संप्रदाय से परे है और देश को इस अमृत काल में एकता के सूत्र में बांध सकती है। नागरिकों में देश प्रेम की भावना जगाने और संकीर्णता से बाहर निकालने का यही अमृतकाल है।

आज के समय में तिरंगा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक ही नहीं बल्कि भारत की आकांक्षाओं और सपनों का दर्पण भी है। यह हमें आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। हर घर तिरंगा जैसे अभियान भारतीयों को अपने ध्वज के प्रति गर्व और सम्मान की भावना को और गहरा करने का अवसर प्रदान करते हैं। तिरंगा झंडा भारत और भारतीयता का एक ऐसा प्रतीक है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और भविष्य की ओर प्रेरित करता है। इसके रंग और चक्र हमें साहस, शांति, समृद्धि और प्रगति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। यह ध्वज हमें याद दिलाता है कि भारतीयता का अर्थ है विविधता में एकता, स्वाभिमान में साहस और शांति में प्रगति। तिरंगे के अक्स में हमारा भारत और हमारी भारतीयता न केवल जीवंत है बल्कि विश्व मंच पर एक प्रेरणा स्रोत के रूप में भी उभर रही है।

देश के प्रत्येक नागरिक को आजादी के इस अमृतकाल में इस पावन महायज्ञ में आहूति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। राष्ट्र ध्वज देखकर उसके प्रति आदर भाव खुद ही जग जाता है। तिरंगा साहस, त्याग, बलिदान के रंगों से सरोबार है। तिरंगे को सम्मान देते हुए आज हर देशवासी का कर्तव्य है इस अमृतकाल में अपने घरों में तिरंगा लहराकर वह इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाए। आजादी के रणबांकुरों ने अपने शौर्य से जिस प्रकार देश के लिए तन- मन न्यौछावर कर दिया उसी प्रकार तिरंगा झंडा लहराकर हमें भारतबोध का अहसास होगा जो शहीदों को अमृत काल में सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

लेखक- हर्षवर्धन पान्डे
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संक्षिप्त वार्ता

पूर्वी दिल्ली में डीटीसी बस की चपेट में आने से आठवीं कक्षा की छात्रा की मौत

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में शुक्रवार को डीटीसी बस की चपेट में आने से आठवीं कक्षा की एक छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पीड़िता अपने चाचा के साथ स्कूटर पर स्कूल जा रही थी, तभी सुबह करीब आठ बजे एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने कहा कि उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बस चालक, 45 वर्षीय एस के मुराद को बाद में पकड़ लिया गया। वह दुर्घटना के बाद भाग गया था।

बिजली का बिल बढ़ा देगा झटका, 8 फीसदी तक बढ़ा पीपीएसी शुल्क

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। राजधानी में बिजली का बिल एक बार फिर झटका देने वाला है। जून माह के लिए बिल में बिजली खरीद समायोजन लागत (पीपीएसी) की बढ़ोत्तरी को डीईआरसी (दिल्ली विद्युत नियामक आयोग) ने मंजूरी दे दी है। इसके चलते दिल्ली की बिजली कंपनियां आने वाले बिल में ग्राहकों से अतिरिक्त 7 से 8 फीसदी पीपीएसी लेंगी। कंपनियों ने मौजूदा पीपीएसी को बढ़ाकर 23 से 31 फीसदी तक किए जाने की मांग डीईआरसी के समक्ष रखी थी।

जानकारी के अनुसार पहले प्रत्येक तीन माह में पीपीएसी को लेकर डीईआरसी समीक्षा करती थी। लेकिन अब इसमें बदलाव कर प्रत्येक माह पीपीएसी को लेकर समीक्षा होती है। बीते जुलाई माह में तीनों प्रमुख बिजली कंपनियों ने डीईआरसी के समक्ष प्रस्ताव देकर बताया कि बिजली की खरीद पर उन्हें अतिरिक्त शुल्क चुकाना पड़ रहा है। इसलिए पीपीएसी को बढ़ाने की अनुमति दी जाए। बीएसईएस राजधानी ने पीपएसी शुल्क 31.64 फीसदी, बीएसईएस यमुना ने पीपीएसी शुल्क 24.02 फीसदी एवं टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड ने शुल्क 23.71 फीसदी करने की मांग डीईआरसी के समक्ष रखी थी।

व्यापार महोत्सव में शामिल हुई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कहा सरकार उनके परिश्रम के साथ मजबूती से खड़ी

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को भारत मंडपम में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 में शामिल हुई। उन्होंने कहा कि व्यापारी और उद्यमी देश की आर्थिक शक्ति मजबूत कर रहे हैं तथा दिल्ली सरकार उनके परिश्रम के साथ मजबूती से खड़ी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ह्यस्वदेशीह्ल आज आत्मनिर्भर भारत का आत्मविश्वास बन चुका है। व्यापारी, उद्यमी और एमएसएमई केवल कारोबार नहीं बढ़ा रहे, वे परिवारों की खुशहाली, युवाओं के रोजगार और भारत की आर्थिक शक्ति को मजबूत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार भी उनके इस परिश्रम के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो सिस्टम, सेल्फ-सर्टिफिकेशन और 'स्वचालित मंजूरी' जैसे सुधारों के जरिए पुरानी जटिल मंजूरी व्यवस्था को सरल बनाया जा रहा है, ताकि व्यापारी का समय दफ्तरों के चक्कर में नहीं, अपने कारोबार और सपनों को आगे बढ़ाने में लगे।

इस अवसर पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल, अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

एनसीआर में पूरे हफ्ते सुहावना रहेगा मौसम

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज सुहावना बने रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के स्थानीय मौसम पूवार्नुमान के मुताबिक 14 से 19 अगस्त तक आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और लगभग हर दिन हल्की बारिश के आसार हैं।

राहत की बात यह है कि इस अवधि में किसी भी दिन मौसम विभाग ने कोई चेतावनी जारी नहीं की है। हालांकि, बारिश और बादलों के बीच बढ़ी हुई नमी के कारण लोगों को उमस का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, 14 अगस्त को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन सामान्य तौर पर बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। हवा में नमी का स्तर अधिकतम 85 प्रतिशत और न्यूनतम 70 प्रतिशत तक रहने का अनुमान है।

रोज हल्की बारिश के आसार; उमस करेगी परेशान

15 अगस्त को भी मौसम का मिजाज लगभग ऐसा ही रहने वाला है। इस दिन अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का पूवार्नुमान है। आसमान सामान्य तौर पर बादलों से घिरा रहेगा और हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, इस दिन उमस ज्यादा परेशान कर सकती है, क्योंकि अधिकतम आर्द्रता 95 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 85 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। 16 अगस्त को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश का पूवार्नुमान है। 17 अगस्त को भी तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। आसमान सामान्य तौर पर बादलों से घिरा रहेगा और हल्की बारिश होने की संभावना बनी रहेगी।

18 अगस्त को अधिकतम तापमान थोड़ा कम होकर 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने इस दिन भी सामान्य रूप से बादल छाए रहने और हल्की बारिश के आसार जताए हैं। वहीं, 19 अगस्त को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का पूवार्नुमान है। इस दिन भी बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। आर्द्रता अधिकतम 85 प्रतिशत और न्यूनतम 70 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस दिन भी मौसम विभाग ने कोई चेतावनी जारी नहीं की है। दिल्ली- एनसीआर में बादलों की आवाजाही और रुक-रुककर होने वाली हल्की बारिश से लोगों को तेज गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने से दिन के समय भीषण गर्मी का असर सीमित रहने की उम्मीद है। हालांकि, वातावरण में नमी का स्तर लगातार ऊंचा रहने के कारण बारिश रुकने के बाद उमस और चिपचिपी गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है।

लोन के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले 2 साइबर अपराधियों को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। शाहदरा साइबर पुलिस स्टेशन ने लोन धोखाधड़ी के मामले में 2 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से दो मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड और एक एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं।

दरअसल, दिल्ली के शाहदरा निवासी कृष्ण अवतार सहगल की शिकायत पर साइबर पुलिस स्टेशन शाहदरा में एफआईआर दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह बैंक लोन की प्रक्रिया कर रहे थे, तभी उन्हें एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को लोन-प्रोसेसिंग अधिकारी बताया। फाइल, प्रोसेसिंग चार्ज और लोन मंजूरी के बहाने, कॉलर ने उनसे कई बार पेमेंट करवाए। बाद में शिकायतकर्ता को पता चला कि कॉलर का बैंक से कोई संबंध नहीं था और उसने धोखाधड़ी से उनसे 1 लाख 10 हजार रुपए ठग लिए थे। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए एक टीम का गठन किया।

जांच के दौरान इटावा के रहने वाले रवि कुमार (26) की पहचान की गई और उसे गाजियाबाद के वैशाली में उसके किराए के मकान से गिरफ्तार किया गया। धोखाधड़ी वाली कॉल के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर उसके नाम पर रजिस्टर्ड पाए गए और वे दिल्ली में साइबर अपराध के एक अन्य मामले से भी जुड़ा था। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि धोखाधड़ी के बाद सिम कार्ड नष्ट कर दिए गए थे। उसने धोखाधड़ी से हासिल रकम लेने के लिए बैंक खातों का इंतजाम किया और पैसे अपने साथी कुंदन को ट्रांसफर कर दिए। सीसीटीवी फुटेज में रवि कुमार को एटीएम से धोखाधड़ी की रकम निकालते हुए भी देखा गया।

आगे की जांच में इटावा, उत्तर प्रदेश के रहने वाले लगभग 23 साल के अरुण सिंह की पहचान हुई। बाद में उसे गाजियाबाद के वैशाली में उसके किराए के घर से गिरफ्तार किया गया। जांच से पता चला कि अरुण सिंह ने बैंक एग्जीक्यूटिव बनकर पीड़ित से बात की और लोन दिलाने के झूठे बहाने से संपर्क किया। उसके पास से एक एटीएम कार्ड मिला, जो उस अकाउंट से जुड़ा था जिसमें ठगी की रकम का लगभग 70,000 जमा किया गया था। इसके अलावा, दो मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड भी बरामद किए गए। आरोपी अरुण सिंह से बरामद मोबाइल फोन की जांच के दौरान ग्राहकों की जानकारी और फोन नंबरों की एक लिस्ट मिली। इसकी जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या लोन के लिए आवेदन करने वाले अन्य लोगों को भी निशाना बनाया गया था या निशाना बनाने की योजना थी। आगे की जांच से पता चला कि अरुण सिंह ने यस बैंक के कर्मचारी शिवम ठाकुर की पहचान अपनाई और ग्राहकों से उसी की पहचान का इस्तेमाल करके बात की।

चोरी और स्नैचिंग के तीन मामलों में शामिल चोर

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। शाहदरा जिले की एएसबी सेल ने ऑपरेशन स्ट्रीट शील्ड के तहत एक शातिर सेंधमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से करीब 70 किलोग्राम चोरी का तांबा बरामद किया, जिसकी कीमत एक लाख रुपये से अधिक है। पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि 9 अगस्त को जीटीबी एनक्लेव थाने में झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया की एक फैक्टरी से तांबे की चोरी दर्ज हुई थी। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की सूचना पर न्यू सीमापुरी निवासी आलम हुसैन उर्फ लल्ला (25) को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर 70 किलो चोरी का तांबा मिला।

एनएसयूआई ने नॉर्थ कैंपस में निकाली तिरंगा यात्रा, छात्रों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के नॉर्थ कैंपस में राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में तिरंगा मार्च आयोजित किया। इस मार्च में एनएसयूआई के हजारों सदस्यों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा एसओएल गेट से शुरू होकर रामजस चौक पर समाप्त हुआ। छात्रों ने हाथों में तिरंगा लेकर स्वतंत्रता, एकता, लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों के समर्थन में नारे लगाए। इस अवसर पर एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा एवं उन्हें मजबूत करना विश्वविद्यालयों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लोकतांत्रिक समाज की नींव हैं। छात्रों को बिना किसी डर के अपनी बात रखने, अपनी आवाज उठाने, सवाल पूछने और विचार-विमर्श में भाग लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। विनोद जाखड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने के केंद्र नहीं हैं, बल्कि ऐसे संस्थान भी हैं जहां युवा लोकतंत्र, संवैधानिक अधिकार, समानता और असहमति के सम्मान जैसे मूल्यों को सीखते हैं।

भारत विभाजन विभीषिका को संगीत, रंगमंच और वीडियो के माध्यम से किया गया प्रस्तुत

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के परिप्रेक्ष्य में डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटनमंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने पीड़ितों के संघर्ष, साहस और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम के माध्यम से वर्ष 1947 के भारत विभाजन से जुड़ी पीड़ा, विस्थापन, बिछड़ने की घटनाओं की स्मृतियों को याद किया गया।

पार्टिशन हॉरर्स रिमेंबरेंस डे नाम से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में संगीत, रंगमंच और वीडियो को एक साथ प्रस्तुत करते हुए विभाजन के दौर को दर्शाया गया। कार्यक्रम आयोजन गुरुवार देर शाम को हुआ। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि संगीत, रंगमंच और वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया यह कार्यक्रम इतिहास की उन मानवीय कहानियों को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने का

प्रयास है, जो विभाजन की त्रासदी के पीछे छुपे दर्द और संघर्ष को सामने लाती हैं।

कपिल मिश्रा ने कहा कि 'विभाजन की विभीषिका' को वर्षों तक दबाया और भुलाने का प्रयास किया गया । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने यह सुनिश्चित किया कि 1947 के उस दर्द, बलिदान और उससे मिले सबक को कभी विस्मृत न किया जाए। विभाजन विभीषिका दिवस केवल करोड़ों पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने का अवसर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को इतिहास से सीख लेने का संकल्प भी है।

मिश्रा ने कहा कि कोई भी समाज जब अपने इतिहास, बलिदानों और उनसे मिले सबक को भूल जाता है, तो उसका भविष्य कमजोर नींव पर खड़ा होता है। विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ हमें यह प्रण दोहराना होगा कि भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को कमजोर करने वाली मानसिकता को देश में दोबारा कभी पनपने नहीं देंगे।

कार्यक्रम में सोनम कालरा और उनकी टीम ने ह्यस्टोरीज ऑफ सेपरेशनह्ल की विशेष संगीतमय प्रस्तुति दी, जिसमें वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान अलगाव, संघर्ष और स्मृतियों से जुड़ी कहानियों को कलात्मक माध्यम से प्रस्तुत किया गया। आयोजन के लिए कपिल मिश्रा ने केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और कलाकारों का आभार व्यक्त किया।

पूर्व अग्निवीरों को दिल्ली में 20 प्रतिशत आरक्षण, अग्निशमन और कारागार विभाग में मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली सरकार ने पूर्व अग्निवीरों के लिए सरकारी नौकरी का रास्ता आसान करते हुए अग्निशमन सेवा और कारागार विभाग की सीधी भर्ती में 20 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है। दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। यह आरक्षण अग्निशमन सेवा में अग्निशमन परिचालक तथा कारागार विभाग में प्रहरी और महिला प्रहरी के पदों पर लागू होगा। सरकार के अनुसार, यह व्यवस्था केंद्र सरकार की पूर्व अग्निवीरों के पुनर्वास संबंधी नीति के अनुरूप की गई है। इसके साथ ही पूर्व अग्निवीरों को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में भी विशेष छूट दी जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने लापता दो नाबालिग लड़कियों को दो घंटे के अंदर खोज निकाला, माता-पिता से मिलवाया

नई दिल्ली, वेब वार्ता

दिल्ली पुलिस ने लापता 14 वर्ष की दो लड़कियों को दो घंटे के अंदर खोज निकाला। लड़कियों को उनके माता-पिता को सौंप दिया गया। लड़कियों का पता लगाने के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया और अन्य उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया।

पुलिस के मुताबिक, 13 अगस्त को 14 वर्ष की दो लापता लड़कियों के माता-पिता पुलिस स्टेशन पहुंचे और जानकारी दी कि उनकी बेटियां सुबह से लापता हैं। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू की। अपनी बेटियों को सुरक्षित और अपने पास वापस पाकर माता-पिता बहुत खुश और राहत महसूस कर रहे थे।

2 अगस्त को दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस ने लापता या अगवा हुए 43 बच्चों और 81 वयस्कों को उनके परिवारों से मिलाया था। पुलिस टीमों ने ऑपरेशन मिलाप के तहत 1 से 31 जुलाई तक 124 लोगों को ढूंढने और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवारों से मिलाया था। पुलिस ने बताया था कि लापता या अगवा लोगों की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू कर दिया। इसमें स्थानीय स्तर पर पूछताछ के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज की जांच और ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर लापता या अगवा लोगों की तस्वीरें लगाने जैसे प्रयासों ने अहम भूमिका निभाई।

जांच की गई थी

लापता या अगवा लोगों की आवाजाही का पता लगाने के लिए बस ड्राइवरों, कंडक्टरों और वेंडरों से भी पूछताछ की गई थी। तलाशी अभियान के दौरान स्थानीय मुखबिरों की भी मदद ली गई। इसके अलावा आसपास के पुलिस स्टेशनों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी बारीकी से जांच की गई थी।

अदालत ने कूड़ा बीनने वाले नाबालिग से कुकृत्य के दोषी की सजा बरकरार रखी

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 11-वर्षीय बेघर बच्चे से कुकृत्य करने के आरोपी की दोषसिद्धि में हस्तक्षेप करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि सड़कों पर गुजारा करने वाले बच्चे से तारीख, समय या कपड़ों का विवरण उतना सटीकता से देने की उम्मीद नहीं की जा सकती जितनी कि एक व्यवस्थित माहौल में रहने वाले गवाह से की जाती है।

आरोपी की याचिका पर 10 अगस्त को पारित फैसले में न्यायमूर्ति चंद्रशेखरन सुधा ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 (कुकृत्य) और पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम की धारा-छह (गंभीर रूप से यौन हमला) के तहत उसे दोषी ठहराने संबंधी निचली अदालत के अगस्त 2025 का निर्णय बरकरार रखा। हालांकि, न्यायाधीश ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई 20 साल जेल की सजा को घटाकर 10 साल कर दिया। इस बारे में अदालत ने यह आधार दिया कि अपराध के समय इस कुकृत्य के लिए 10 साल की सजा का प्रावधान था।

पॉक्सो अधिनियम की धारा-छह के तहत न्यूनतम 20 वर्ष की सजा का प्रावधान 16 अगस्त 2019 से लागू हुआ था। नाबालिग ने आरोप लगाया था कि नवंबर 2016 में जब वह कश्मीरी गेट स्थित रेलवे पुल के नीचे सो रहा था, तब आरोपी ने उसका यौन उत्पीड़न किया। जब नाबालिग ने क्षेत्र में बेघर लोगों को मुफ्त चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करने वाले कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं को घटना की जानकारी दी, तो उन्होंने पुलिस हेल्पलाइन पर इसकी सूचना दी थी।

आरोपी के वकील ने दावा किया कि उसे फंसाया गया है और दलील दी कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि लड़के की उम्र 12 वर्ष से कम थी। उन्होंने यह भी कहा कि घटना के समय लड़के ने जो कपड़े पहने थे, उन्हें लेकर उसके बयान में कई विरोधाभास थे। बचाव पक्ष की दलील को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि अपनी सटीक उम्र या जन्म तिथि या अन्य विशिष्ट विवरण बताने में लड़के की असमर्थता का लाभ आरोपी को नहीं मिलेगा।

अदालत ने कहा कि हालांकि अपनी गवाही में पीड़ित ने दावा किया था कि उसकी उम्र लगभग 15 वर्ष थी, लेकिन उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि को देखते हुए उससे सटीक उम्र जानने की उम्मीद करना अवास्तविक है। अदालत ने कहा कि स्कूल के रिकॉर्ड में उसकी जन्म तिथि 12 अक्टूबर 2005 दर्ज है, जिससे तय होता है कि घटना के समय उसकी उम्र 11 वर्ष थी। अदालत ने कहा कि नाबालिग लड़के द्वारा दी गई सभी गवाहियों में आरोपी की पहचान, घटना का स्थान, यौन उत्पीड़न की प्रकृति और घटना के तुरंत बाद के घटनाक्रम का क्रम मूल रूप से एक जैसा रहा।

स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले दिल्ली में पांच जगहों पर बम की धमकी

नई दिल्ली, वेब वार्ता

स्वतंत्रता दिवस से ठीक एक दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बम की धमकियों से हड़कंप मच गया। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली के पांच अलग-अलग स्थानों पर बम विस्फोट की धमकी देने वाले कॉल आए।

डीएफएस के अनुसार, जिन जगहों पर धमकी भरे कॉल आए उनमें जामनगर हाउस, झंडेवालान फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स, साकेत में जिला मजिस्ट्रेट का कार्यालय, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का टर्मिनल 3 और दिल्ली कैंट में एसडीएम कार्यालय शामिल हैं। सूचना मिलते ही सभी जगहों पर दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। जांच के दौरान अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। इससे पहले 3 अगस्त को दिल्ली के मेयर कार्यालय को एक ईमेल मिला था। इसमें 15 अगस्त को लाल किले पर कई बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। इसके बाद राजधानी की सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं और पूरे लाल किले के आसपास के इलाके की छानबीन की गई। जैसे ही मेयर कार्यालय को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, उसने तुरंत दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी।

...और जांच शुरू की गई

अलर्ट मिलते ही पुलिसकर्मी, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा टीमें ऐतिहासिक लाल किले पहुंचीं और पूरे परिसर की गहन जांच और सैनिटाइजेशन किया गया। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, बम की धमकी की जानकारी मिलने के बाद इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई और जांच शुरू की गई। 11 जुलाई को भी लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने स्मारक की बड़े स्तर पर जांच की थी। बाद में यह धमकी झूठी निकली थी।

धमकी झूठी थी

दिल्ली पुलिस के अनुसार, पिछले महीने की धमकी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में आए एक फोन कॉल से शुरू हुई थी। कॉलर ने कथित तौर पर कहा था कि ऐतिहासिक लाल किले को उड़ा दिया जाएगा। मुंबई पुलिस ने तुरंत जानकारी दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को दी। वहां से नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट पुलिस को अलर्ट किया गया और सुरक्षा इंतजाम शुरू किए गए। पूरी जांच के बाद पुलिस अधिकारियों को कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली और पुष्टि की गई कि धमकी झूठी थी।

रक्षाबंधन पर घर जाना आसान, रेलवे चलाएगा विशेष ट्रेन

नई दिल्ली, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। रक्षाबंधन पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ और कन्फर्म टिकट की परेशानी को देखते हुए रेलवे ने हजरत निजामुद्दीन और जबलपुर के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इससे भाई-बहनों को पर्व पर अपने घर पहुंचने में सुविधा मिलेगी। जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन रक्षाबंधन विशेष ट्रेन 29 अगस्त को रात 8:20 बजे जबलपुर से रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 2:25 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 30 अगस्त को हजरत निजामुद्दीन से शाम 3:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 9:30 बजे जबलपुर पहुंचेगी।

पुरानी पेंटिंग पर नया साल, खर्च भी हर साल ? सपा नेता ने उठाए सवाल

वेब वार्ता, हरदोई। नगर पालिका परिषद हरदोई में स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के तहत दीवारों पर कराई जा रही पेंटिंग को लेकर सवाल उठने लगे हैं। समाजवादी पार्टी के नेता एवं हरदोई नगर पालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे रामज्ञान गुप्ता ने नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

रामज्ञान गुप्ता का आरोप है कि नगर पालिका की ओर से दीवारों पर एक बार पेंटिंग कराने के बाद हर साल उसी पुरानी पेंटिंग में केवल वर्ष

बदलकर नए सिरे से खर्च दशार्या जाता है। उनका कहना है कि यदि ऐसा हो रहा है तो नई पेंटिंग के नाम पर आवंटित सरकारी धन के

दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के लिए शहर की दीवारों पर पेंटिंग और सौंदर्यीकरण का काम कराया जाता है, लेकिन यदि वास्तविक रूप से नई पेंटिंग कराने के बजाय पुरानी पेंटिंग में ही बदलाव किया जा रहा है तो यह व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सपा नेता ने स्वच्छ सर्वेक्षण की रैंकिंग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जमीन पर वास्तविक कार्य कराने के बजाय कागजी दावों और पुरानी पेंटिंग के सहारे बेहतर स्वच्छता रैंकिंग हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे नगर पालिका की कार्यप्रणाली और सरकारी धन के इस्तेमाल की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने मांग की कि पेंटिंग के नाम पर पिछले वर्षों में हुए खर्च का अभिलेखीय परीक्षण कराने के साथ मौके पर भौतिक सत्यापन भी कराया जाए। यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। रामज्ञान गुप्ता ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराकर सरकारी धन के इस्तेमाल की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

संक्षिप्त वार्ता

देवरिया की तिरंगा यात्रा में गर्मी से बिगड़ी छात्राओं की तबीयत, 25 से अधिक अस्पताल में भर्ती

वेब वार्ता, देवरिया। देवरिया जिला प्रशासन की ओर से गुरुवार को पीएम श्री जीआइसी परिसर से निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल कई छात्राओं की तेज धूप और गर्मी के कारण हालत बिगड़ गई। रास्ते में कुछ छात्राओं को चक्कर आने लगा, जबकि स्टेडियम पहुंचने के बाद करीब 25 से 30 छात्राओं की तबीयत अचानक खराब हो गई। कई छात्राएं अचेत हो गईं।

सूचना पर स्टेडियम में एंबुलेंस बुलाकर सभी को बारी-बारी से महर्षि देवरहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के मुताबिक छात्राओं की तबीयत धूप लगने व गर्मी के कारण बिगड़ी है। सभी का उपचार चल रहा है। पीएम श्री जीआइसी परिसर से सुबह करीब 11 बजे भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, जीआइसी समेत कई विद्यालयों के करीब पांच हजार छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यात्र जीआइसी परिसर से निकलकर कोतवाली रोड, सिविल लाइंस रोड होते हुए स्टेडियम पहुंचे, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा के दौरान तेज धूप और उमस के कारण रास्ते में ही कुछ छात्राओं को चक्कर आने लगा। शिक्षकों ने पानी का छींटा मारकर और पानी पिलाकर उन्हें सामान्य करने का प्रयास किया। स्टेडियम पहुंचने के बाद कई छात्राओं की हालत फिर बिगड़ गई। कुछ छात्राएं अचेत हो गईं। इसके बाद प्रशासन ने तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कराकर उन्हें मेडिकल कालेज की इमरजेंसी भेजा।

जुआरियों पर शिकंजा, चौकी प्रभारी प्रशांत राणा की तत्परता से हुई कार्रवाई

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से जुए की फड़ से और उनकी जामा तलाशी में कुल 12 हजार रुपये नकद तथा 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। पुलिस ने चारों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 12 अगस्त 2026 की रात करीब 9.35 बजे चौकी प्रभारी सदर उपनिरीक्षक प्रशांत राणा पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में शांति व्यवस्था और गश्त पर थे। पुलिस टीम बड़े मंदिर चौबयाना के पास मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बाबा घाट रोड पर खाली पड़ी जमीन के बगल के रास्ते पर कुछ लोग ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस के पहुंचते ही मौके पर जुआ खेल रहे लोगों में हलचल मच गई, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर चार लोगों को मौके से पकड़ लिया। पुलिस ने मौके पर जुए की फड़ से 9,900 रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा चारों आरोपियों की जामा तलाशी में कुल 2,100 रुपये मिले। इस प्रकार पुलिस ने कुल 12,000 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में मोहल्ला चौबयाना निवासी इरशाद पुत्र इस्तकार के पास से 500 रुपये, आशाराम पुत्र स्व. दशरथ कुशवाहा के पास से 500 रुपये, मोहल्ला बड़ापुरा निवासी नीलू पुत्र जगदीश कुशवाहा के पास से 600 रुपये तथा मोहल्ला चौबयाना निवासी सलमान पुत्र असलम के पास से 500 रुपये बरामद हुए। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम, 1867 की धारा 13 के तहत कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया है।

पूर्वजों ने झेला था बटवारे के दंश, विभाजन विभीषिका की डॉक्यूमेंट्री देखकर भावुक हुए लोग

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। जिलाधिकारी श्री सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अतंर्गत आज 14 अगस्त शुक्रवार को कल्याण सिंह सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आजादी के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को देश में विभाजन के कारण उत्पन्न हुई परिस्थियों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रदर्शन किया गया, डॉक्यूमेंट्री फिल्म देखकर सभी लोग भावुक हुए तथा देश के बलिदानियों को श्रद्धांजलि देते हुए अपने-अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने सूचना विभाग द्वारा ऑडिटोरियम के बेसमेंट में लगायी गई विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस सम्बंधी अभिलेखीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा प्रदर्शनी की सराहना की गई, साथ ही हर घर तिरंगा सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी भी ली। अभिलेखीय प्रदर्शनी के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर लिए गए एतिहासिक निर्णयों का प्रदर्शन किया गया था, जिसे विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को भी दिखाया गया। कार्यक्रम में राजकीय इण्टर कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत, विभाजन पर आधारित लघु नाटिकाओं की प्रस्तुति दी गई, जिस पर जीआईसी हॉल में तालियों की गढ़गढ़ाहट गूँज उठी और सभी ने बच्चों की प्रस्तुति पर उनका उत्साहवर्द्धन किया।

कार्यक्रम में मा0 सदर विधायक ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को देश में ऐसी अफरा-तफरी मची कि लोगों को लाहौर से दिल्ली भागना पड़ा, इस दौरान कत्लेआम भी हुआ, लेकिन दिल्ली से लाहौर जाने वाले लोगों को किसी ने छुआ भी नहीं। इस दौरान अंग्रेजों ने बड़ी चालाकी से मौका पाकर देश को बांट दिया। उन्होंने कहा कि हमें आजादी कैसे मिली ये विभाजन विभीषिका की डॉक्युमेंट्री में देखा जा सकता है, जहां लोग 15 अगस्त को आजाद होने का इंतजार कर रहे थे, वहीं 14 अगस्त को लोग जानमाल की सुरक्षा के लिए जूझ रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाजन विभीषिका से हमे सीखना होगा कि बटवारा किसी के लिए भी सही नही हो सकता, परन्तु भारत वो देश है जो अनेकता में रहते हुए भी एकता का संदेश देता है।

यमुना के बढ़ते जलस्तर पर डीएम ने अस्ता गांव का किया दौरा

औरैया, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में यमुना नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिलाधिकारी बृजेश कुमार ने शुक्रवार को तहसील औरैया के बाढ़ प्रभावित ग्राम अस्ता का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से पूर्व में आई बाढ़ और उससे उत्पन्न समस्याओं की जानकारी ली।

डीएम ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और जरूरत पड़ने पर हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से जलस्तर तथा संभावित प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, वहां तत्काल नावों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निचले और संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी पहले से रखी जाए।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय हरखड़ी नावडीह में मिशन शक्ति के तहत चौपाल आयोजित

वेब वार्ता, कमर खान

पचपेड़वा/बलरामपुर। मिशन शक्ति के पंचम चरण के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक विकास कुमार जनपद बलरामपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय व क्षेत्राधिकारी अभय प्रताप मल्ल के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष ओम प्रकाश चौहान थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर के नेतृत्व मे एण्टी रोमियो टीम व मिशन शक्ति थाना पचपेड़वा जनपद बलरामपुर द्वारा निदेर्शानुसार क्षेत्र में भ्रमणशील होकर पूर्व माध्यमिक विद्यालय हरखड़ी (नावडीह) में चौपाल लगाकर

बच्चियों को नारी सुरक्षा सम्मान व स्वालंबन हेतु बाल विवाह, पास्को एक्ट व साइबर क्राइम संबंधी अपराध ,यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया गया।, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चलाये गये हेल्पलाइन नंबरो- 1076 मा0 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर , 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा , 108 एंबुलेंस सेवा 102 स्वास्थ्य सेवा के बारे में जानकारी दी गई। व थाने पर गठित मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्प डेस्क व सरकार द्वारा चलाई गई लाभकारी योजनाओं जैसे- सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, आदि के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई व पेम्फलेट वितरित किया गया।उनकी समस्याएं पूछी गई किसी ने कोई समस्या नहीं बताई।

सखी वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण में सुरक्षा व्यवस्था में मिली खामी, महिला पुलिसकर्मी नदारद

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। यादवेन्द्र सिंह, अपर जिला जज एवं सत्र न्यायाधीश, प्रभारी अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ललितपुर के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव देवप्रिय सारस्वत ने गुरुवार को सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, अभिलेखों, प्रकरण पंजिकाओं तथा विधिक एवं परामर्श सेवाओं का गहन परीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सखी वन स्टॉप सेंटर कीसुरक्षा व्यवस्था में खामियां सामने आईं। केंद्र पर सुरक्षा के लिए महिला पुलिस सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी निर्धारित होने के बावजूद निरीक्षण के समय कोई भी महिला पुलिस सुरक्षाकर्मी उपस्थित नहीं मिली। वहीं सुरक्षा गार्ड ऋषि कुमार भी वर्दी में नहीं पाए गए। इसके अलावा केंद्र पर नियुक्त कर्मचारी जयकुमार तामिया भी अनुपस्थित मिले। इस संबंध में पूछताछ करने पर बताया गया कि उन्हें डीपीओ कार्यालय में अटैच किया गया है। निरीक्षण के दौरान सामने आई इन व्यवस्थागत कमियों को गंभीरता से लेते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संवेदनशील संस्थान में सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर जोर दिया।

उन्होंने निर्देश दिए कि सखी वन स्टॉप सेंटर पर महिला सुरक्षाकर्मियों की नियमित एवं सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि केंद्र में निवासरत अथवा सहायता के लिए आने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा किसी भी स्तर पर प्रभावित न हो। सचिव ने केंद्र की कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए निर्देशित किया कि पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को केंद्र पर पहुंचते ही त्वरित सहायता, समुचित परामर्श, चिकित्सीय सहयोग और आवश्यक विधिक सहायता नियमानुसार उपलब्ध कराई जाए। साथ ही केंद्र के अभिलेखों एवं प्रकरण पंजिकाओं का संधारण सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखने के भी निर्देश दिए।

पनकी फिटनेस सेंटर पर चालकों को बांटे गए तिरंगे, 'हर घर तिरंगा' अभियान को दी रफ्तार

वेब वार्ता, कानपुर। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी आह्वान हर घर तिरंगा अभियान को धरातल पर उतारने के लिए कानपुर नगर का संभागीय परिवहन (आरटीओ) विभाग पूरी तरह सक्रिय मोड में आ गया है।

इसी कड़ी में पनकी स्थित फिटनेस सेंटर पर आरटीओ विभाग के प्राविधिक निरीक्षक (आरआई) संतोष कुमार के नेतृत्व में विशेष झंडा वितरण एवंजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान आरआई संतोष कुमार ने फिटनेस सेंटर पहुंचे छोटे व्यावसायिक वाहनों, ऑटो, पिकअप से लेकर भारी ट्रकों और

बसों के चालकों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भेंट किया। उन्होंने चालकों के साथ मिलकर उनके वाहनों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा लगवाया और देशभक्ति का संकल्प दिलाया।

शासन और प्रशासन के निदेर्शों का अनुपालन करते हुए आरआई संतोष कुमार ने उपस्थित चालकों को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री और प्रदेश सरकार की मंशा के अनुसार 'हर घर तिरंगा' केवल घरों और सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं है। सड़कें देश के विकास की धमनियां हैं; जब इन पर चलते हर वाहन पर तिरंगा लहराएगा, तो पूरे राष्ट्र में एकता और देशभक्ति का एक अद्भुत संदेश जाएगा।

वाहन चालकों में दिखा भारी उत्साह

विभाग से सम्मानपूर्वक झंडा प्राप्त करने के बाद वाहन चालकों के चेहरों पर गर्व और उत्साह साफ नजर आया। चालकों ने इस पहल की सराहना करते हुए संकल्प लिया कि वे अपनी यात्रा के दौरान तिरंगे के मान और मयार्दा का पूरी तरह ध्यान रखेंगे। आरटीओ विभाग के इस प्रयास से न केवल पनकी क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल बना, बल्कि दूर-दराज के हाईवे और रूटों पर जाने वाले चालकों के माध्यम से 'हर घर तिरंगा' का संदेश व्यापक स्तर पर फैल रहा है।

बसपा में 2007 जैसा ही ब्राह्मण को मिलेगा सम्मान : मायावती

लखनऊ, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव-2027 को लेकर बहुजन समाज पार्टी(बसपा) ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने के लिए बसपा भी कोई कोर कसर छोड़ने के मूड में नहीं है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए ब्राह्मण समाज से कहा है कि आपका सम्मान पार्टी में पहले भी था और आगे भी रहेगा।

दस्यु प्रभावित रहे पाठा के आदिवासी क्षेत्र में युवतियों ने तलवारबाजी में किया नाम रोशन

बरगढ़ (चित्रकूट), 14 अगस्त (वेब वार्ता)। लगभग पांच दशक तक दस्युओं के आतंक से कांपते रहे आदिवासी बाहुल्य पाठा के बरगढ़ के युवाओं में अब शिक्षा के साथ आत्मरक्षा के प्रति जागरुकता आई है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चल रहे हर घर तिरंगा अभियान के दौरान गुरुवार को अमरावती देवी एजुकेशनल सोसाइटी और सरक सरित उत्तर प्रदेश एसोसिएशन के मार्गदर्शन में युवक-युवतियों के हाथों में तलवारें देखने को मिलीं।

पिछड़े इलाके के युवक-युवतियों ने सरक सरित मार्शल आर्ट चैंपियनशिप टूनार्मेंट में अपनी कला का प्रदर्शन किया। टूनार्मेंट का आयोजन इस दुर्गम क्षेत्र में संचालित अमरावती देवी एजुकेशनल सोसाइटी के तकनीकी शिक्षा के एकमात्र केंद्र श्रीअर्जुन भाई परिवार आईटीआई के प्रांगण में किया गया। इसमें बच्चों ने भी हिस्सा लिया। सरित सरक प्राचीन भारत की तलवार, ढाल व भालों से लड़े जाने वाले युद्ध की एक अनोखी कला है।

हरदोई में रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया कानूनगो

सदर तहसील में विजिलेंस की अचानक कार्रवाई से हड़कंप

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। सदर तहसील में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब लखनऊ से पहुंची विजिलेंस (एंटी करप्शन) टीम ने अचानक कार्रवाई करते हुए भदायल क्षेत्र का राजस्व कार्य देख रहे कानूनगो कमल किशोर को कथित रूप से रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि जमीन से संबंधित सीमांकन अथवा दाखिल-खारिज के कार्य के एवज में कानूनगो द्वारा एक किसान से रिश्वत

की मांग की गई थी। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस टीम ने उसका सत्यापन कराया और फिर कार्रवाई की रणनीति तैयार की। शुक्रवार को शिकायतकर्ता को रिश्वत की रकम लेकर कानूनगो के पास भेजा गया। जैसे ही रकम का लेनदेन हुआ, पहले से सादे कपड़ों में मौजूद विजिलेंस टीम ने कानूनगो को मौके पर दबोच लिया। कार्रवाई के बाद टीम आरोपी कानूनगो को अपने साथ शहर कोतवाली ले गई, जहां आवश्यक लिखापढ़ी के साथ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। विजिलेंस की अचानक हुई कार्रवाई से सदर तहसील परिसर से लेकर राजस्व विभाग तक खलबली मची हुई है।

हरदोई में सरकारी जिप्सम का खेल उजागर

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। बंजर और ऊसर भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली जिप्सम के कथित दुरुपयोग का मामला सामने आया है। आरोप है कि किसानों के खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए आई करीब सवा लाख रुपये कीमत की 31 मीट्रिक टन सरकारी जिप्सम महज 3500 रुपये में चार डंपरों के जरिए एक किसान के अहाते में पहुंचा दी गई। मामला खुलने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी ने प्रकरण की जांच कर शासन से संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की है।

मामला घिरईखेड़ा गांव के किसान कृष्णपाल से जुड़ा बताया जा रहा है। किसान को मकान और गोशाला निर्माण के लिए भराव की मिट्टी की जरूरत थी। आरोप है कि उसे मिट्टी के बजाय सरकारी जिप्सम उपलब्ध करा दी गई। चार डंपर जिप्सम के लिए महज 3500 रुपये में सौदा तय होने की बात सामने आई। इसके बाद करीब 1.34 लाख रुपये कीमत की 31 मीट्रिक टन जिप्सम किसान के अहाते में डाल दी गई। दो डंपर खाली होने के बाद किसान को जब मामला संदिग्ध लगा तो उसने शेष सामग्री लेने से इनकार कर दिया। यहीं से सरकारी जिप्सम के कथित दुरुपयोग की परतें खुलनी शुरू हुईं। प्रकरण सामने आने के बाद भूमि संरक्षण अधिकारी प्रथम इंद्रसेन नाथ ने अपने ही विभाग के प्राविधिक सहायक और डंपर चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद जिलाधिकारी अनुनय झा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उप कृषि निदेशक और जिला कृषि अधिकारी को जांच के निर्देश दिए। जांच में सरकारी जिप्सम के वितरण और उसके उपयोग में गंभीर अनियमितताएं सामने आने की बात कही गई है। अब विभागीय कार्रवाई की संस्तुति के बाद संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है।

हल्द्वानी में मल्लिकार्जुन खड़गे के मंच के शुद्धिकरण की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय: हसीब खान

वेब वार्ता, कमर खान

बलरामपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी हसीब खान ने हल्द्वानी में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण की घटना पर गहरा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक समाज में ऐसी संकीर्ण मानसिकता के लिए

कोई स्थान नहीं है।

अपने आधिकारिक बयान में हसीब खान ने कहा, बड़े दुख और शर्म के साथ कहना पड़ रहा है कि आज भी छुआछूत और भेदभाव जैसी संकीर्ण सोच हमारे समाज में जीवित है। हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की गरिमामयी जनसभा के बाद मंच के शुद्धिकरण की यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह केवल मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान नहीं है, बल्कि उस संवैधानिक भारत का अपमान है, जो समानता, सम्मान और सामाजिक न्याय के अटूट सिद्धांतों पर खड़ा है।

किसी व्यक्ति की जाति के आधार पर उसके स्पर्श, उपस्थिति या विचारों को अपवित्र मानना एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद शर्मनाक है। हसीब खान ने स्पष्ट किया ऐसी विभाजनकारी सोच को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह सिर्फ एक मंच का शुद्धिकरण नहीं बल्कि हमारी पूरी सामाजिक चेतना के सामने खड़ा एक गंभीर सवाल है जिसके खिलाफ हम सबको एकजुट होना होगा।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत, एक घायल

अमेठी, 14 अगस्त (वेब वार्ता)। अमेठी जनपद के पीपरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रयागराज सुल्तानपुर हाईवे पर शुक्रवार को सुल्तानपुर की ओर से आ रहे बाइक सवार दो युवकों को दुगार्पुर स्थित चौधरी फिलिंग स्टेशन के सामने तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दिया । हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। रेवड़ा गांव निवासी शिवम वर्मा अपने साथी सुमित वर्मा के साथ बुलेट से सुल्तानपुर की तरफ से आ रहे थे। इसी दौरान चौधरी फिलिंग स्टेशन के सामने तेज रफ्तार पिकअप ने रॉन्ग साइड में जाकर उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री डॉ. शुक्ल ने मेदांता अस्पताल पहुंचकर भर्ती मरीज श्री विनोद कुमार के स्वास्थ्य की जानकारी ली

इन्दौर, निप्र। उप मुख्यमंत्री डॉ. राजेन्द्र शुक्ल बुधवार को इंदौर प्रवास पर आये। यहां उन्होंने मेदांता अस्पताल पहुंचकर उपचार के लिये भर्ती श्री विनोद कुमार के स्वास्थ्य की जानकारी ली, चिकित्सकों को निर्देश दिये कि उपचार में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रखी जाये। बेहतर से बेहतर इलाज सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने श्री विनोद कुमार के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। डॉ. शुक्ल ने अस्पताल के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी और संबंधित चिकित्सक उपस्थित थे।

हरियाली अमावस्या पर धन्वंतरि आयुर्वेद महाविद्यालय में हुआ त्रिवेणी रोपण कार्यक्रम

उज्जैन, निप्र। शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय में हरियाली अमावस्या के अवसर पर बुधवार को पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से त्रिवेणी का रोपण किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओ.पी. व्यास सहित डॉ. नृपेन्द्र मिश्रा, डॉ. दिवाकर पटेल, डॉ. शिरोमणि मिश्रा, डॉ. शिवकुमार मिश्रा, डॉ. योगेश वाणे, डॉ. निरंजन सराफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम महाविद्यालय परिसर स्थित औषधी विद्यावन में त्रिवेणी नीम, बरगद, पीपल के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों एवं प्रकृति का विशेष महत्व है। प्राचार्य डॉ. व्यास ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करना आवश्यक है। उन्होंने सभी से पौधारोपण को सामाजिक दायित्व के रूप में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन पौधों की देखभाल एवं पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर शिक्षक अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मानसून जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए फील्ड स्तर तक निगरानी रखे- संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन, निप्र। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, उज्जैन संभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभाग के समस्त जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन उपस्थित रहे। बैठक में मातृ एवं बाल मृत्यु समीक्षा, गैर-संचारी रोगों का नियंत्रण, टीबी रोगियों को पोषण सहायता, सिकल सेल जांच एवं उपचार, मानसून जनित बीमारियों की रोकथाम तथा चिकित्सालय प्रबंधन सहित प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। संभागायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मातृ - मृत्यु के प्रकरणों , सीबीएमडीएसआर , बाल मृत्यु (सीडीआर) के प्रतिशत में सुधार लाये ताकि रिपोर्टिंग एवं समीक्षा की प्रक्रिया और प्रभावी बने। मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप के मरीजों की नियमित स्क्रीनिंग, फॉलोअप तथा उपचार पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (निक्षय मित्र योजना) के अंतर्गत टीबी रोगियों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने हेतु 6 अनिवार्य उच्च-प्रोटीन खाद्य सामग्रियों वाली फूड बास्केट/पोषण किट वितरण की समीक्षा की गई। समस्त जिलों को निर्देशित किया गया कि अधिसूचित मरीजों को निर्धारित किट समय पर उपलब्ध करवायें ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा के अनुरूप राजस्व सेवाओं को बनाया जा रहा त्वरित और सुगम

किसानों को तत्काल मिले आदेश एवं प्रमाणित दस्तावेज

इन्दौर , निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप आमजन को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, सहज एवं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में इंदौर जिला प्रशासन द्वारा निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की पहल पर नागरिकों के राजस्व संबंधी कार्यों के त्वरित निराकरण एवं राजस्व अभिलेखों के अद्यतन के लिए राजस्व निरीक्षक वृत्तों में राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज बुधवार को तीन स्थानों रंगवासा, लसुड़िया परमार और ?पिपल्याराव में विशेष राजस्व शिविर आयोजित किये गये। इन शिविरों में कुल 220 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी नवाचार के तहत बुधवार, 12 अगस्त को तहसील देपालपुर के ग्राम रंगवासा में राजस्व शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आमजन एवं कृषकों को राजस्व संबंधी सेवाएं मौके पर ही उपलब्ध कराते हुए कुल 77 प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में 47 नामांतरण, 4 बंटवारा एवं 5 नक्शा तरमीम प्रकरणों में तत्काल आदेश पारित किए गए। इन आदेशों का राजस्व अभिलेखों में तत्काल अमल करते हुए संबंधित कृषकों को आदेश एवं खसरे की प्रमाणित प्रतियां भी मौके पर उपलब्ध कराई गईं। इसके अलावा 21 सीमांकन प्रकरणों का भी सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।

इस पहल से किसानों एवं आम नागरिकों को अपने राजस्व संबंधी कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। एक ही स्थान पर प्रकरणों की सुनवाई, आदेश पारित करने, अभिलेखों में अमल तथा प्रमाणित दस्तावेज उपलब्ध कराने की कार्रवाई से नागरिकों को त्वरित राहत मिली। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के इस नवाचार का उद्देश्य राजस्व सेवाओं को सरल, सुलभ, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाना तथा राजस्व अभिलेखों को अद्यतन रखना है। शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में ही नागरिकों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। शिविर में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देपालपुर श्री चरणजीत सिंह हुड्डा, तहसीलदार देपालपुर श्रीमती संगीता गोलिया, अपर तहसीलदार वृत्त रंगवासा श्री कुलदीप सिंह, अपर तहसीलदार बेटमा श्री महेंद्र गौड़, सभी हल्का पटवारी, ग्राम पंचायत रंगवासा के सरपंच, जनपद सदस्य, ग्राम के वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे। राजस्व शिविर के उपरांत टप्पा कार्यालय गौतमपुरा परिसर में पौधारोपण भी किया गया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर ग्रामीणों एवं कृषकों से भी अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी देखभाल करने का आह्वान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जनसेवा को गांव और नागरिक के द्वार तक पहुंचाने तथा शासकीय सेवाओं को त्वरित एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में ऐसे राजस्व शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

लसुड़िया परमार में आयोजित हुआ राजस्व शिविर

सांवेर तहसील के टप्पा क्षिप्रा के गांव लसुडिया परमार में विशेष राजस्व जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं हितग्राही शामिल हुए। शिविर में नामांतरण के कुल 80 प्रकरण,बंटवारा के 05 प्रकरण,सीमांकन के 4,नक्शा तरमीम के 6,रास्ता विवाद के 3 प्रकरण सहित कुल 100 से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। ई-केवायसी, सीएम हेल्पलाइन के शिकायतकर्ताओं को बुलवा कर उनकी समस्याओं का निदान भी हाथो-हाथ किया गया। कृषकों को आदेश की प्रतियां एवं संशोधित खसरा उपलब्ध करवाए गए। गांव में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। ग्रामीणों द्वारा अन्य विभागों से संबंधित आवेदनों को लिया जाकर संबंधित विभाग को भेजा गया।

पिपल्याराव राव में भी हुआ राजस्व शिविर

जूनी इंदौर के पिपल्याराव स्थित ग्राम पिपल्याराव में भी राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। राजस्व शिविर में करीब 170 किसान आमजन शामिल हुये। शिविर में इन्द्राज दुरूस्ती, नामांतरण, बंटवारा, बतांकन, सीमांकन, रास्ता विवाद के प्रकरणों की सुनवाई कर अंतिम आदेश पारित किया गया। 42 प्रकरणों का शिविर के दौरान ही अंतिम आदेश पारित किया गया। इस प्रकार कुल 43 प्रकरणों का शिविर में निराकरण कर आदेशों/खसरो की प्रति संबंधित कृषकों को प्रदान की गई। इनके अतिरिक्त अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं की सुना गया व सम्बंधित विभाग को दिशा निर्देश दिए गए । एक रास्ता विवाद के प्रकरण व 03 अवैध कब्जे के प्रकरण में स्थल निरीक्षण किया गया। सीएम. हेल्पलाईन शिकायतें संतुष्टि पूर्वक बंद करवाई गई। किसानों की ई.के.वाय.सी एवं फार्मेर रजिस्ट्री स्वीकृत की गई। रीजनल पार्क तालाब के कैचमेंट एरिया का निरिक्षण किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत नौगावां में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए कलेक्टर

झाबुआ, निप्र। हर घर तिरंगा अभियान के तहत एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नौगावां में राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट सम्मिलित हुए। बारिश के बावजूद विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों में अभियान को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न वीर सेनानियों एवं महापुरुषों की वेशभूषा धारण कर उनके योगदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर बलिदानियों के त्याग, संघर्ष और राष्ट्रसेवा का स्मरण किया गया। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि बारिश भी बच्चों के हौसलों और राष्ट्रभक्ति के जज्बे को कम नहीं कर पाई है। स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों एवं महापुरुषों की वेशभूषा में विद्यार्थियों को देखकर प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि

जिन वीरों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दी, उनके जीवन और योगदान से नई पीढ़ी को परिचित कराने का यह सराहनीय प्रयास है। कलेक्टर ने कहा कि नौगावां विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा जिस उत्साह एवं समर्पण के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य विद्यार्थियों के हाथों में है और उनमें दिखाई दे रही राष्ट्रप्रेम की भावना यह विश्वास दिलाती है कि देश का भविष्य मजबूत हाथों में सुरक्षित है। कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भारतीय, चाहे वह छोटा बच्चा हो या बड़ा व्यक्ति, उसके मन में भारतीय होने का गर्व और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष अभियान को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की भावना से भी जोड़ा गया है। राष्ट्रीय गीत की छह पंक्तियों के माध्यम से इसके गौरव और संदेश को घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। पूर्व विधायक श्री कलसिंह भाबर ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगे की शान प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित करती है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा परिवार के साथ हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के उपरांत तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। बारिश के बीच भी प्रतिभागियों का उत्साह बना रहा और पूरा वातावरण तिरंगामय एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत नजर आया। साथ ही अतिथियों द्वारा पौधारोपण किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधिगण, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान, अन्य अधिकारी कर्मचारी, शिक्षक एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सजेली फाटक का किया निरीक्षण

- हृदयविदारक दुर्घटना के पश्चात मौके पर पहुंचे कलेक्टर, निर्माणाधीन मार्ग की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

झाबुआ, निप्र। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने सजेली फाटक पर हुई हृदयविदारक दुर्घटना के पश्चात मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन सड़क एवं आवागमन के लिए बनाए गए वैकल्पिक मार्ग की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. भरसट ने निर्माणाधीन सड़क के कारण आवागमन के लिए उपयोग किए जा रहे वैकल्पिक मार्ग पर वर्षा के दौरान कीचड़ की स्थिति निर्मित न हो तथा आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न आए, इसके लिए मुरम के साथ पर्याप्त मात्रा में गिट्टी एवं चूरी का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने मार्ग को आवागमन के लिए सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने सजेली फाटक क्षेत्र में स्वीकृत 7 मीटर चौड़ी सीसी

रोड के निर्माण कार्य की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को कार्य में तेजी लाते हुए आगामी एक सप्ताह के भीतर सीसी रोड का निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था एवं आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा वैकल्पिक मार्ग की नियमित निगरानी करते हुए आवश्यकता के अनुसार तत्काल सुधार कार्य सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एड्स जागरूकता हेतु उज्जैन में निकाली गई बाइक रैली

उज्जैन, निप्र। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार जिले में 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक सघन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य आमजन को एचआईवी/एड्स संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों, जांच एवं उपचार तथा एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति अपनाए जाने वाले सकारात्मक व्यवहार के संबंध में जागरूक करना है।इस संबंध में क्षेत्रीय संचालक डॉ. दीपक पिप्पल द्वारा संबंधित विभागों एवं संस्थाओं को अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि अभियान के दौरान उज्जैन जिले में 167 ग्रामों में ग्राम स्तरीय बैठकें, 25 ग्रामों में ग्राम सभाएं, 25 आंगनबाड़ी केंद्र, 20 महिला विद्यालय तथा 135 विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।बाइक रैली का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा हरी

झंडी दिखाकर किया गया। रैली विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुनीता परमार, जिला नोडल अधिकारी एड्स कार्यक्रम डॉ. अरुण कुशवाह, दिशा टीम से शोभी गुप्ता सहित विभाग के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।नोडल अधिकारी डॉ. अरुण कुशवाह ने कहा कि एचआईवी/एड्स के संबंध में सही जानकारी ही इसके संक्रमण की रोकथाम का सबसे प्रभावी माध्यम है।

एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि उसे आवश्यक जांच, परामर्श एवं उपचार सेवाओं से जोड़कर सामान्य एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

धार में 7 दिवसीय सिविल डिफेंस क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम-2026 का सफल समापन हुआ

धार, निप्र। मध्यप्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा मुख्यालय होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन, भोपाल के निर्देशानुसार धार में 6 अगस्त से 12 अगस्त 2026 तक 7 दिवसीय सिविल डिफेंस क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम-2026 आयोजित किया गया। जिसका समापन बुधवार को हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के 150 सिविल डिफेंस वालंटियर्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वयंसेवकों को आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित, सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से कार्य करने हेतु आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं व्यवहारिक दक्षता प्रदान करना था।

इस सात दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इनमें विभिन्न जिलों से आये विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा आपदा प्रबंधन एवं जोखिम न्यूनीकरण, नागरिक सुरक्षा,

खोज एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, सीपीआर, अग्नि सुरक्षा एवं अग्निशमन उपकरणों का उपयोग, आपातकालीन संचार, राहत एवं बचाव कार्य, आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया, सामुदायिक जागरूकता तथा संकट की परिस्थितियों में स्वयंसेवकों की भूमिका आदि पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को विभिन्न व्यावहारिक अभ्यास एवं डेमो के माध्यम से आपातकालीन परिस्थितियों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता तथा उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग का अभ्यास कराया गया।

प्रशिक्षकों द्वारा वास्तविक आपदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित एवं समन्वित ढंग से राहत एवं बचाव कार्य करने की तकनीकों की जानकारी दी गई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डिवीज़नल कमाण्डेन्ट होमगार्ड संभाग इंदौर श्रीमती प्रीतिबाला सिंह की विशेष उपस्थिति रही। जिनके द्वारा वालंटियर्स को जैकेट वितरित की गई साथ ही उनके द्वारा प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा किए गए प्रयासों एवं सहभागिता की सराहना की गई। इस अवसर पर उनके द्वारा स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा गया कि आपदा के समय प्रथम प्रतिक्रिया देने वाले प्रशिक्षित स्वयंसेवक प्रशासन और आमजन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। इसलिए प्रत्येक स्वयंसेवक का प्रशिक्षित, अनुशासित, संवेदनशील एवं सेवा-भाव से परिपूर्ण होना आवश्यक है।

साथ ही यह भी बताया गया कि सिविल डिफेंस की प्रभावशीलता केवल आपदा के समय किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि आपदा से पूर्व तैयारी, जोखिम न्यूनीकरण, जन-जागरूकता एवं सामुदायिक क्षमता निर्माण में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

डेयरी एनालॉग पर प्रतिबंध के आदेश के परिपालन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

1816 किलो डेयरी एनालॉग खाद्य पदार्थ जप्त, अनुमानित कीमत ?4.72 लाख, पनीर निर्माण इकाई का कार्य तत्काल प्रभाव से बंद

इन्दौर , निप्र। मध्यप्रदेश शासन द्वारा जनस्वास्थ्य एवं उपभोक्ता हितों को ध्यान में रखते हुए डेयरी एनालॉग एवं वास्तविक दुग्ध उत्पादों का आभास कराने वाले गैर-दुग्ध खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण, वितरण, विक्रय, आपूर्ति एवं उपयोग पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है। जारी आदेश के अनुसार ऐसे उत्पादों के संबंध में उपभोक्ताओं को भ्रमित होने से बचाने, उत्पाद की वास्तविक प्रकृति एवं पहचान में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं उपभोक्ता हितों की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उक्त आदेश के परिपालन में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर इंदौर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला इंदौर

द्वारा आज दिनांक 12 अगस्त 2026 को विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर डेयरी एनालॉग एवं वास्तविक दुग्ध उत्पादों के रूप में विक्रय किए जा रहे खाद्य पदार्थों की जांच हेतु नमूना कार्रवाई की गई तथा संदिग्ध/प्रतिबंधित श्रेणी के खाद्य पदार्थों के स्टॉक को जप्त किया गया।

उमापति इंडस्ट्रीज में लो-फैट पनीर की जांच, 450 किलो पनीर जप्त; निर्माण कार्य तत्काल बंद

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा उमापति इंडस्ट्रीज, 305/2 पार्ट-10, पालदा, इंदौर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रोपराइटर श्री सावन उपाध्याय उपस्थित पाए गए। परिसर में लो-फैट पनीर का निर्माण एवं पैकिंग किया जाना पाया गया। परिसर के निरीक्षण के दौरान ड्रेनेज व्यवस्था उचित नहीं पाई गई तथा परिसर की दीवारें गंदी पाई गईं। रॉ मटेरियल पैलेट्स पर व्यवस्थित रूप से रखा हुआ नहीं पाया गया तथा भंडारण व्यवस्था भी अव्यवस्थित पाई गई। खाद्य पदार्थ के लेबल पर अंकित न्यूट्रीशनल इन्फॉर्मेशन के संबंध में आवश्यक जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं पाई गई। इसके अतिरिक्त इंग्रीडिएंट लिस्ट के अनुसार पनीर के निर्माण में पानी का उपयोग किया जाना पाया गया, किंतु उपयोग किए जा रहे पानी की जांच संबंधी रिपोर्ट भी मौके पर उपलब्ध नहीं पाई गई। परिसर में निर्मित एवं पैक किए जा रहे लो-फैट पनीर का नमूना जांच हेतु लिया गया। साथ ही खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता एवं निर्माण परिस्थितियों के संबंध में संदिग्धता के आधार पर लगभग 450 किलोग्राम पनीर, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ?1,17,000 है, को विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने तक जप्त किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थ पनीर के निर्माण हेतु आवश्यक एवं उपयुक्त परिस्थितियां नहीं पाए जाने के कारण परिसर में खाद्य पदार्थों का निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया तथा आवश्यक सुधार एवं अनुपालन के निर्देश दिए गए।

नारायण डेयरी से 350 किलो पनीर जप्त

एक अन्य कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा नारायण डेयरी, ग्राम अकवी, तहसील महू, इंदौर का निरीक्षण किया गया। मौके से खाद्य पदार्थ पनीर के 3 नमूने जांच हेतु लिए गए। पनीर की गुणवत्ता एवं उसके डेयरी एनालॉग होने की संभावना के दृष्टिगत लगभग 350 किलोग्राम पनीर, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ?1,05,000 है, को जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक जप्त किया गया। लिए गए नमूने परीक्षण हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं।

मोहनी मावा भंडार से 716 किलो डेयरी एनालॉग मावा जप्त

इसी क्रम में नंदा नगर स्थित मोहनी मावा भंडार का निरीक्षण किया गया।

इंदौर में वीआईपी नंबर प्लेट का क्रेज

आरटीओ ने इन्हें बेचकर कमा लिए 20 करोड़ रुपये

इंदौर। इंदौर शहर में सड़कों पर लगातार बढ़ती वाहनों की संख्या के साथ गाड़ियों पर वीआईपी नंबर लगवाने का क्रेज भी तेजी से बढ़ रहा है। आरटीओ इस साल पहले सात महीने में वीआईपी नंबर बेचकर 20 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

इंदौर में गाड़ियों पर वीआईपी नंबर लगाना स्टेटस सिंबल बनता जा रहा है। वहीं कुछ लोग अपने लकी नंबर को खरीदते हैं। एक जनवरी से 31 जुलाई तक इंदौर आरटीओ ऑफिस से 11,746 वीआईपी नंबर खरीदे गए हैं। सबसे खास बात यह है कि इनमें से 20 सबसे ज्यादा डिमांड वाले नंबर्स से इंदौर आरटीओ को 75 लाख रुपये और इसके अलावा 58 चुने हुए नंबर्स से 82 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई हुई है। इंदौर में वीआईपी फैंसी नंबर प्लेट का क्रेज नया नहीं है, 2015 में एमपी 09 सीएस 001 नंबर 9.62 लाख रुपये में बिका था। हर साल आरटीओ को वीआईपी नंबर्स से करोड़ों की कमाई हो रही है। पिछले साल 2025 में 11.40 करोड़ रुपये और 2024 में 11.01 करोड़ रुपये के वीआईपी नंबर इंदौर आरटीओ द्वारा बेचे गए। इंदौर आरटीओ में सबसे ज्यादा डिमांड 1 से 9 तक सिंगल डिजिट वाले नंबरों की रहती है। इसके साथ ही 111, 222, 77, 88 नंबर्स के साथ 0786 और 0909 सबसे ज्यादा डिमांड में रहते हैं। इनमें ज्यादातर नंबर ऐसे हैं जिन्हें पाने के लिए कई लोग आवेदन करते हैं। ऐसे नंबरों को ऑनलाइन बिडिंग के जरिए दिया जाता है।

गाड़ी की कैटेगरी और नंबर की सीरीज के अनुसार वीआईपी और फैंसी नंबरों की कीमत 2 हजार रुपये से 1 लाख रुपये तक होती है। ऑनलाइन सिस्टम में टू व्हीलर और फोर व्हीलर दोनों वाहनों के लिए बिडिंग की जाती है। इस साल सबसे ऊंची बोली एमपी 09 एवी 0001 नंबर के लिए 5.55 लाख रुपये रही थी।

मध्य प्रदेश में रोजाना गायब हो रहे 130 बच्चे और महिलाएं

जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान, हाई कोर्ट ने शासन से मांगा जवाब

इंदौर। प्रदेश में रोजाना 130 से ज्यादा बच्चियां और महिलाएं लापता हो रहे हैं। स्थिति पूरे प्रदेश में एक जैसी है। लापता हो चुके लोगों की संख्या हजारों में हैं। बावजूद इसके शासन इसे गंभीरता से नहीं ले रहा। जिन पर कार्रवाई की जिम्मेदारी है वे इस पर ध्यान नहीं दे रहे।

आंकड़े सार्वजनिक करने के बजाय इसे छुपाया जा रहा है। गुरुवार को इस संबंध में प्रस्तुत जनहित याचिका में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए राज्य और केंद्र शासन सहित सभी पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

हाई कोर्ट में यह जनहित याचिका अभिजीत पांडेय ने एडवोकेट शुभम मांडिल के माध्यम से दायर की है। कहा है कि इंदौर सहित पूरे प्रदेश में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे लापता हो रहे हैं, लेकिन उनकी तलाश, जांच और निगरानी के लिए प्रभावी व्यवस्था नहीं है। प्रदेश में प्रतिदिन 130 महिलाएं और बच्चे लापता हो रहे हैं। याचिका में यह भी कहा है कि याचिका किसी व्यक्तिगत विवाद को लेकर नहीं बल्कि महिलाओं और बच्चों के जीवन, सुरक्षा और गरिमा के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए प्रस्तुत की गई है। लापता महिलाओं और बच्चों के मामले मानव तस्करी, शोषण, यौन अपराध और अन्य गंभीर अपराधों से जुडे हो सकते हैं, इसलिए तत्काल और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है।

आंकडों के माध्यम से बताई भयावहता

याचिका में आंकडों के माध्यम से स्थिति की भयावहता बताई गई है। कहा है कि वर्ष 2023 से पहले तक प्रदेश में लापता होने वाली महिलाओं की संख्या 35000 थी, लेकिन वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 74 हजार पर पहुंच गया। इसी तरह वर्ष 2023 तक प्रदेश में गायब होने वाली बच्चियों की संख्या 3926 थी जो वर्ष 2023 में 16 हजार 17 पर पहुंच गया।

आंकडे बताते हैं कि वर्ष 2023 में लापता होने वाली महिलाओं की संख्या के हिसाब से मप्र देश में पहले स्थान पर था जबकि बच्चियों के गायब होने के मामले में देश में चौथे स्थान पर। याचिका में सरकारी जवाब का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि वर्ष 2020 से 28 जनवरी 2026 तक पूरे प्रदेश से 2,74,311 महिलाएं और लडकियां लापता हुईं। इसका मतलब है कि राज्य में प्रतिदिन 130 महिलाएं और बच्चियां

एडवोकेट शुभम मांडिल के माध्यम से दायर की जनहित याचिका

लापता हो रही हैं। याचिका में आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2023 के बाद लापता महिलाओं और बच्चों से जुड़े आंकड़े. सार्वजनिक नहीं किए हैं। इस वजह से वर्ष 2024 से 2026 तक लापता हुए लोगों की संख्या उपलब्ध नहीं है।

सूचना के अधिकार में नहीं मिली जानकारी

याचिका में कहा है कि लापता लोगों के बारे में याचिकाकर्ता ने जिला अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, राज्य अपराध रिकार्ड ब्यूरो और राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो से जानकारी चाही थी, लेकिन संतोषजनक जानकारी नहीं मिली। याचिका में मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में मिसिंग पर्सन को लेकर जारी एडवाइजरी को गंभीरता से लिया जाए। इंदौर जिले में लापता महिलाओं और बच्चों के मामलों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति गठित की जाए। साथ ही राज्य सरकार से वर्ष 2021 से अब तक के मामलों, बरामद हुए लोगों, लंबित मामलों और उठाए गए कदमों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी जाए। याचिका में यह मांग भी है कि लापता महिलाओं और बच्चों से संबंधित जिलेवार आंकड़े नियमित रूप से सार्वजनिक किए जाएं। गुरुवार को सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता राहुल सेठी उपस्थित हुए। उन्होंने कोर्ट से कहा कि वे सभी विभागों से जानकारी लेकर कोर्ट के समक्ष रखेंगे। मामले में अब सितंबर में सुनवाई होगी।

नगर निगम के सहायक राजस्व अधिकारी के ठिकानों पर लोकायुक्त पुलिस का छापा

आय से 216 प्रतिशत ज्यादा मिली संपत्ति

इंदौर। नगर निगम इंदौर के सहायक राजस्व अधिकारी जितेंद्र कुमार पांडेय के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में लोकायुक्त पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। लोकायुक्त की टीम ने शुक्रवार सुबह अधिकारी के इंदौर स्थित दो ठिकानों पर एक साथ सर्च शुरू की।

लोकायुक्त के मुताबिक, जितेंद्र कुमार के करीब 31 वर्ष के सेवाकाल में अनुमानित वैध आय करीब 80 लाख रुपये आंकी गई है,

जबकि उनकी ओर से करीब 2.53 करोड़ रुपये की संपत्ति और अन्य खर्च किए जाने की जानकारी सामने आई है। यानी वैध आय की तुलना में करीब 1.73 करोड़ रुपये अधिक, जो 216.35 प्रतिशत अनुपातहीन संपत्ति बताई गई है।

पत्नी के नाम पर हॉस्टल

जांच में पत्नी भावना पांडेय के नाम आनंद नगर एक्सटेंशन में करीब 1.20 करोड़ रुपये की लागत से जी+3 भवन तथा गजाधर नगर में करीब 91.50 लाख रुपये की लागत से जी+2 भवन और छात्रावास संचालित किए जाने की जानकारी मिली है। इसके अलावा परिवार के नाम वाहन खरीदने और अन्य खर्च में करीब 14 लाख रुपये खर्च होना बताया गया है।

लोकायुक्त टीम ने किया मामला दर्ज

लोकायुक्त ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत मामला दर्ज किया है। डीएसपी सुनील तालान और आनंद चौहान सहित निरीक्षक आशुतोष मिठास व सचिन पटेरिया की टीम सर्चिंग कर रही है। कार्रवाई अभी जारी है।

शिल्पियों की कला को सम्मान, हुनर को मिला हौसला

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार के तहत उत्कृष्ट शिल्प के लिए चयनित शिल्पियों को सम्मानित किया है। विगत दिनों शिल्पियों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ये सम्मान उन शिल्पकारों के हुनर को प्रोत्साहित करने का माध्यम हैं, जो अपनी कला के जरिए मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि पारंपरिक शिल्प केवल उत्पाद नहीं हैं, बल्कि पीढ़ियों से हस्तांतरित ज्ञान, कौशल और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक हैं।

विदिशा में छात्राओं के आगे झुका प्रशासन

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के सिरोंज में निजी बस ऑपरेटरों द्वारा छात्राओं का बस किराया 10 रुपये से बढ़ाकर 25 रुपये करने के फैसले के विरोध में स्कूली छात्राओं ने मोर्चा खोल दिया। छात्राओं के इस अप्रत्याशित प्रदर्शन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में दिख रहा है कि स्कूल खत्म होने के बाद छात्राओं का ग्रुप सिरोंज बस स्टैंड पर जमा हुआ और एक बस के सामने खड़े होकर "विधायक जी, किराया कम करो!" के नारे लगाने लगा। इन छात्राओं में से कई रोजाना आसपास के गांवों से 10 से 15 किलोमीटर की दूरी तय करके पढ़ाई करने सिरोंज आती हैं।

इस घटना पर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके का भी रिएक्शन आया है, जिन्होंने हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ युवाओं के प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। दीपके ने वायरल वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर करते हुए लिखा, 'एक धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से क्या होगा?' मुझे उम्मीद है कि अब आप सभी को जवाब मिल गया होगा।

आश्वासन मिलने के बाद छात्र हटीं

प्रदर्शन के कारण बस स्टैंड पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। उप-विभागीय मजिस्ट्रेट ओम नारायण बड़कुल ने छात्राओं से बातचीत कर मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद छात्राएं वहां से शांत होकर लौटीं।

विधायक उमाकांत शर्मा भी बस स्टैंड पहुंचे

इसी बीच तिरंगा यात्रा में शामिल होने पहुंचे स्थानीय विधायक उमाकांत शर्मा भी बस स्टैंड पहुंचे और अधिकारियों के साथ बस ऑपरेटरों की बैठक ली। बैठक में प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद बस ऑपरेटरों ने किराए की दरों को वापस पुरानी दर यानी 10 रुपये पर तय करने पर सहमति जताई। विधायक शर्मा ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर छात्राओं को बस पास और विशेष किराया छूट देने का भी अनुरोध किया है।

इंदौर-खंडवा रेल लाइन : ओंकरेश्ववर रोड रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का काम पूरा, जल्द शुरू होगी ट्रेनों की आवाजाही

इंदौर। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल में इंदौर-खंडवा गेज कन्वर्जन परियोजना के तहत ओंकारेश्वर रोड रेलवे स्टेशन पर सिग्नलिंग संबंधी महत्वपूर्ण कार्य गुरुवार को पूरा कर लिया। सिग्नलिंग विभाग द्वारा स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का कार्य पूरा कर सफलतापूर्वक कमीशनिंग (चालू करना) किया।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार ट्रेन परिचालन में संरक्षा की दृष्टि से सिगनलिंग सिस्टम काफी महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसे कमिशन किया जा चुका है। ओंकारेश्वर रोड स्टेशन पर रेलवे ट्रैक से संबंधित

महत्वपूर्ण सीआरएस निरीक्षण पूर्व में ही पूरा किया जा चुका है। अब सिग्नलिंग कार्य के पूर्ण होने से स्टेशन को यात्री परिचालन के लिए तैयार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण चरण पूरा हुआ है।

स्टेशन भवन का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है

ओंकारेश्वर रोड रेलवे स्टेशन के स्टेशन भवन का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। प्लेटफॉर्म व यात्रियों से संबंधित आवश्यक सुविधाओं के कार्य भी पूरे किए जा चुके हैं। निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद इस खंड को यात्री ट्रेन परिचालन के लिए खोलने की दिशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर अपर मंडल रेल प्रबंधक कुंजीलाल मीणा ने निर्माण, सिग्नलिंग, विद्युतीकरण, पावर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ ओंकारेश्वर रोड स्टेशन का निरीक्षण किया।

स्टेशन पर तेजी से चल रहे हैं विभिन्न कार्य, जल्द होंगे पूरे

स्टेशन पर चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इंदौर-खंडवा गेज कन्वर्जन परियोजना के तहत ओंकारेश्वर रोड स्टेशन पर सिग्नलिंग, विद्युतीकरण, स्टेशन भवन, प्लेटफार्म एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति से इस महत्वपूर्ण रेल परियोजना को यात्री परिचालन के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

मिनी ट्रक में भरकर ग्वालियर हाई कोर्ट पहुंचीं सड़कों की 5 साल के रिकार्ड की हजारों फाइलें

8 मुख्य सड़कों की होगी सैंपलिंग जांच

ग्वालियर। शहर की सड़कों के निर्माण और मरम्मत में गुणवत्ता को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में सुनवाई हुई। नगर निगम की ओर से वर्ष 2021 से अब तक सड़कों पर हुए काम का रिकार्ड मिनी ट्रक और एक टेंपो में भरकर कोर्ट पहुंचाया गया। इसमें हजारों फाइलें थीं। न्यायालय ने रिकार्ड की सूची अपने पास जमा करा ली, जबकि फाइलों को वापस कर दिया। सुनवाई के दौरान रिकार्ड की सूची से एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया। नगर निगम ने तीनों शहरी विधानसभा क्षेत्रों में कराए गए सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। बताया गया कि इसमें कई मुख्य मार्ग का रिकार्ड शामिल नहीं था। सूची में मुख्य रूप से गली-मोहल्लों और छोटी सड़कों पर हुए कार्यों का विवरण दिया गया था। अब इस मामले में आठ सड़कों के सैंपल लिए जाएंगे जिसमें एक एनएचएआइ, एक पीडब्ल्यूडी और छह सड़कें नगर निगम की हैं। मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी।

चिह्नित सड़कों के लिए जाएंगे सैंपल

सुनवाई के दौरान आठ सड़कों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए चिह्नित किया गया है। इन्हीं सड़कों का रिकार्ड कोर्ट में पेश किया जाएगा साथ ही सैंपल की जांच कर कोर्ट कमिश्नर द्वारा रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एसएसपी धर्मवीर सिंह स्वयं मौजूद रहेंगे और सैंपल की कार्रवाई के दौरान यातायात बाधित न हो इसकी व्यवस्था भी सुनिश्चित करेंगे। सैंपलिंग के दौरान सड़क की मोटाई और निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता की जांच की जाएगी।

आठ सड़कों के बाद बाकी पर बात होगी

न्यायालय ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया है कि पहले आठ सड़कों को चुनकर उनके सैंपल करवाए जाएंगे और उनकी गुणवत्ता को जांचा जाएगा। इसके बाद जो रिपोर्ट आएगी उसके आधार पर सुनवाई को आगे बढ़ाया जाएगा। इतना ही नहीं इन आठ सड़कों के निरीक्षण और सैंपलिंग के बाद ही कोर्ट शहर की अन्य सड़कों की ओर रुख करेगा। इस मामले में न्यायालय ने अधिवक्ता गौरव समाधिया, पवन रघुवंशी और हिमांशु शर्मा को कोर्ट कमिश्नर के तौर पर नियुक्त किया है। इसके साथ यह भी स्पष्ट किया है कि निरीक्षण के दौरान यह मौके पर मौजूद रहेंगे और सैंपलिंग की प्रक्रिया पूरी करवाएंगे। इसके साथ ही न्यायालय में रिपोर्ट को भी कोर्ट कमिश्नर के माध्यम से ही पेश किया जाएगा। बता दें कि इस मामले में निरीक्षण और सैंपलिंग कब होना है इसे न्यायालय की अगली सुनवाई में सोमवार को तय किया जाएगा।

पेंच टाइगर रिजर्व में डायनामाइट से मछली का शिकार: बाघों की सुरक्षा पर संकट

भोपाल। पेंच टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र स्थित तोतलादोह जलाशय में कथित अवैध मछली शिकार और संगठित कारोबार की शिकायत को केंद्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक पहुंची शिकायत के बाद नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश सरकार से इस मामले में एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है।

एनटीसीए ने प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव वार्डन को शिकायत की गंभीरता से जांच कर अवैध गतिविधियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के प्रतिबंध के बावजूद पेंच नदी और तोतलादोह जलाशय के कोर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मछली का अवैध शिकार किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने इसे संगठित सिंडिकेट बताते हुए आरोप लगाया है कि इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हैं और मछलियों को मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा व सिवनी के रास्ते महाराष्ट्र के बाजारों तक भेजा जाता है।

डायनामाइट से मछली शिकार का आरोप

छिंदवाड़ा निवासी कैप्टन ब्रजेश भारद्वाज की ओर से पीएमओ को भेजी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मछली पकड़ने के लिए जलाशय में डायनामाइट जैसे विस्फोटकों का इस्तेमाल किया जाता है।

शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि अवैध शिकार रोकने पहुंचने वाले वन विभाग के गश्ती दल और विशेष बाघ सुरक्षा बल के सदस्यों पर फायर बम और बंदूकों से हमले किए जाते हैं।

शिकायत में हाल में वनकर्मियों की नावों को आग लगाए जाने की घटना का भी उल्लेख किया गया है। इस पूरे मामले में एनटीसीए ने प्रदेश से पूर्व में की गई कार्रवाई और वर्तमान स्थिति की जानकारी मांगी है।

सैकड़ों करोड़ के कारोबार का दावा

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि तोतलादोह में अवैध मछली कारोबार अब संगठित सिंडिकेट का रूप ले चुका है और इसका वार्षिक कारोबार सैकड़ों करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आरोप के मुताबिक, बफर क्षेत्र के आसपास के कुछ गांवों से बड़ी संख्या में लोग शाम के समय कोर क्षेत्र में प्रवेश करते हैं और रातभर मछली पकड़ने के बाद सुबह के समय इसे बाहर निकालते हैं। शिकायत में दावा किया गया है कि मछलियों को छिंदवाड़ा और सिवनी के रास्ते महाराष्ट्र के नागपुर, सावनेर और खापा के बाजारों में भेजा जाता है। इसके लिए पिकअप, बोलेरो, वैन और अन्य वाहनों के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया गया है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

145 मछुआरा परिवारों के पुनर्वास का भी उल्लेख

शिकायत में सरकारी रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा गया है कि पेंच नेशनल पार्क के गठन से पहले क्षेत्र में मछुआरा परिवारों के अधिकारों का निपटारा किया गया था। वर्ष 2001-02 में छिंदवाड़ा कलेक्टर के माध्यम से 145 पात्र मछुआरा परिवारों का विस्थापन और पुनर्वास किया गया था।

इनके पुनर्वास एवं मुआवजे के लिए करीब 72 लाख रुपये वितरित किए जाने का उल्लेख है। कुछ मछुआरों को वन विभाग में रोजगार दिए जाने की बात भी शिकायत में कही गई है।

जलीय जैव-विविधता पर खतरे की आशंका

तोतलादोह जलाशय पेंच के महत्वपूर्ण जलीय पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा है। यहां मछलियों के अलावा मगरमच्छ, कछुए और विभिन्न प्रजातियों के जलपक्षी पाए जाते हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अवैध गतिविधियों के कारण जलाशय में प्लास्टिक कचरा बढ़ रहा है और नावों की आवाजाही के लिए पानी में मौजूद सूखे पेड़ों को हटाया जा रहा है।

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, यदि कोर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मानवीय गतिविधियां और अवैध शिकार जारी रहता है तो इसका असर जलीय जैव-विविधता के साथ बाघों के प्राकृतिक आवास पर भी पड़ सकता है।

कोर क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक

पेंच नेशनल पार्क के कोर क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर केंद्र सरकार पहले भी अपना रुख स्पष्ट कर चुकी है। संसद में उठे एक प्रश्न के जवाब में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से कहा गया था कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत नेशनल पार्क के कोर क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति नहीं है।

केंद्र ने पेंच नेशनल पार्क की सीमाओं में बदलाव अथवा मछली पकड़ने पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के किसी प्रस्ताव से भी इनकार किया था।

अब एनटीसीए की रिपोर्ट पर नजर

एनटीसीए की ओर से एटीआर मांगे जाने के बाद अब मध्य प्रदेश वन विभाग को शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच और अब तक की गई कार्रवाई का ब्योरा देना होगा। रिपोर्ट के आधार पर यह स्पष्ट होगा कि तोतलादोह जलाशय के कोर क्षेत्र में अवैध मछली शिकार की शिकायतों पर अब तक क्या कार्रवाई हुई और आगे इसे रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

स्वियातेक ने रायबकिना को हराकर नेशनल बैंक ओपन खिताब जीता

टोरंटो। पोलैंड की महिला टेनिस स्टार इगा स्वियातेक ने नेशनल बैंक ओपन खिताब जीत लिया है। स्वियातेक ने यहां खेले गये फाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर इस सत्र का अपना पहला खिताब जीता। ये स्वियातेक की पहली डब्ल्यूटीए टूर ट्रॉफी है। इसी के साथ इस खिलाड़ी ने अपने करियर का 26वां खिताब जीता है।

इस मैच की शुरूआत से ही इगा ने अच्छा फॉर्म दिखाया। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त रायबकिना की सर्विस तोड़कर शुरूआती गेम में ही बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद अपनी सर्विस को बरकरार रखते हुए पहले सेट को केवल 29 मिनट में ही 6-2 से जीता लिया। इससे रायबकिना पर शुरूआती दबाव आ गया। वहीं सरे सेट में रायबकिना ने वापसी के प्रयास किये और 2-2 से बराबरी पर ला दिया। स्वियातेक ने इसके बाद फिर रायबकिना की सर्विस ब्रेक करते हुए बढ़त बना ली। इस ब्रेक के बाद उन्होंने अपनी लय बनाए रखी और 6-3 से दूसरा सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इस खिताब को जीतने के साथ ही स्वियातेक अब ताजा डब्ल्यूटीए (डब्लयूटीए) रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर पांचवे नंबर पर पहुंच जाएंगी। वहीं फाइनल में हार के बाद भी रायबकिना रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार रहेंगी। इस जीत से स्वियातेक का मनोबल भी बढ़ेगा। दूसरी ओर महिलाओं के युगल फाइनल में चेक गणराज्य की अनुभवी खिलाड़ी कतेरीना सिनीयाकोवा और चीन की शुआई झांग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत हासिल की। इस जोड़ी ने इटली की सारा एरानी और अमेरिका की निकोल मेलिचार-मार्टिनेज को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज विनय कुमार को मिली बड़ी जिम्मेदारी

गुवाहाटी। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज विनय कुमार को आगामी 2026/27 घरेलू सत्र के लिए कर्नाटक की सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। 42 वर्षीय विनय कुमार येर गौड़ की जगह लेंगे। गौड़ अब बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। कर्नाटक के पूर्व बल्लेबाज दीपक चौगुले को टीम का फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है।

पहली बार बने सीनियर टीम के मुख्य कोच

यह पहली बार है जब विनय कुमार कर्नाटक की सीनियर टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। इससे पहले वह महाराजा टी20 ट्रॉफी में हुबली टाइगर्स के मुख्य कोच रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने आईएलटी20 में एमआई एमिरेट्स के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी भी संभाली है। विनय ने 2021 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के टैलेंट स्काउट के तौर पर भी काम किया। वह स्टार स्पोर्ट्स कन्नड़ के कमेंटेटर भी रहे हैं।

रियल मैड्रिड से खेलेंगे कार्लोस

मैड्रिड। स्पेन के शीर्ष फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने लेवांते के युवा स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी को अपने साथ जोड़ा है। रियल मैड्रिड ने एस्पी को करीब 25 मिलियन यूरो की मोटी रकम देकर खरीदा है। ऐसे में अब अगल सत्र से कार्लोस रियल की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। रियल ने कहा कि कि कार्लोस अगले पांच साल तक उसके पास ही रहेंगे। इसके तहत ये फुटबॉलर जून, 2031 तक रियल की ओर से खेलेगा।

गौरतलब है कि रियल मैड्रिड में आने से पहले कार्लोस ने लेवांते की ओर से तीन सत्र खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 66 मैचों में 20 गोल दागे हैं। उनका पिछला सीजन विशेष रूप से अच्छा रहा। इस दौरान उन्होंने 27 मैचों में 13 गोल किये। उन्हें पिछले सीजन में लीग का सर्वश्रेष्ठ अंडर-23 खिलाड़ी भी चुना गया था। कार्लोस के इन गोलों के कारण ही लेवांते को निचली लीग में जाने से बचा था। सत्र सीजन के आखिरी हफ्तों में उनके प्रदर्शन ने टीम को मजबूती मिली थी।

इस स्ट्राइकर को अपनी टीम में शामिल करने के लिए स्पेनिश ला लीगा के क्लब विल्लारियल और इंग्लैंड की प्रीमियर लीग के साथ ही कई बड़े क्लबों ने भी रुचि दिखायी थी।

स्पेन के हर्नांडेज बने नीदलैंड फुटबॉल टीम के नये कोच

साल 2030 फीफा विश्व कप तक टीम के साथ रहेंगे

एम्सटर्डम। नीदरलैंड फुटबॉल संघ ने रोनाल्ड कोमैन की जगह स्पेन के पूर्व फुटबॉलर जावी हर्नांडेज को अपनी फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। हर्नांडेज डच टीम के कोच बनाये गये पहले विदेशी हैं।

इसलिए यह नियुक्ति बेहद अहम मानी जा रही है। वह साल 2030 अनुबंध फीफा विश्व कप तक डच टीम के कोच बने रहेंगे। कोच बनाये जाने से उत्साहित हर्नांडेज ने खुशी जताते हुए कहा, , नीदरलैंड की नेशनल टीम का मुख्य कोच बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। उन्होंने अपने करियर के दैरान डच फुटबॉल के साथ अपने गहरे संबंध के बारे में भी बताया। नये कोच ने कहाकि एफसी बार्सिलोना एकेडमी में रहने और जोहान क्रूफ तथा रिनस मिशेल्स जैसे डच दिग्गजों से मिली सीख के कारण, वह डच फुटबॉल से एक विशेष संबंध महसूस करते हैं। उन्होंने यहां तक कहा, आप कह सकते हैं कि मैं एक तरह से डच फुटबॉल का ही एक बेटा हूं। उन्होंने लुइस वैन गाल, जिनके नेतृत्व में उन्होंने बार्सिलोना में अपना डेब्यू किया, और फ्रैंक रिजकार्ड जैसे अन्य महान कोचों को भी याद किय, जिन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी और एक कोच, दोनों के तौर पर बेहतर बनाया। जावी ने अपनी टीम के लिए अपनी योजनाओं का भी खुलासा किया, जिसमें स्थानीय ज्ञान को शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा, हमारा इरादा एक ऐसा कोचिंग स्टाफ बनाने का है जिसमें डच लोग भी शामिल हो।

अपार सफलता हासिल की

गौरतलब है कि एक खिलाड़ी के तौर पर, जावी को फुटबॉल की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर्स में से एक माना जाता है। वह 2010 में फीफा विश्व कप जीतने वाली स्पेन टीम के अभिन्न अंग थे, जहाँ उन्होंने अपनी असाधारण पासिंग रेंज और खेल को नियंत्रित करने की क्षमता का प्रदर्शन किया। दिग्गज क्लब बार्सिलोना के लिए उन्होंने कुल 17 सीजन खेले और अपने क्लब करियर में भी उन्होंने अपार सफलता हासिल की.

सुपर कप का खिताब दिलाना शामिल है

जावी को कोचिंग का भी अच्छा अनुभव है। उन्होंने साल 2019 में अपना कोचिंग करियर शुरू किया, पहले 2019 से 2021 तक अल साद का प्रबंधन किया, और फिर 2021 से 2024 तक अपने पूर्व क्लब बार्सिलोना के कोच रहे। अपने कोचिंग करियर में भी उन्होंने बड़ी सफलता हासिल की है, क्लब के साथ कई घरेलू ट्रॉफियां जीती हैं, जिसमें 2022-23 में बार्सिलोना को स्पैनिश सुपर कप का खिताब दिलाना शामिल है।

पाक के अरशद नदीम लुसाने डायमंड लीग में नहीं उतरेंगे

लाहौर। पाकिस्तान के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम 21 अगस्त को स्विटजरलैंड के लुसाने में आयोजित होने वाली डायमंड लीग में नजर नहीं आयेंगे। अरशद ने इस लीग से अपना नाम वापस ले लिया है। अरशद ने ये फैसला आगामी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए अपनी तैयारियों पर ध्यान देने के लिए लिया है। अरशद का कहना है कि वह अब दक्षिण अफ्रीका में एक विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग लेकर अपनी शारीरिक और तकनीकी क्षमताओं को बेहतर बनाने पर काम करेंगे। यह कदम उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि उनका लक्ष्य इन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में बेहतरीन प्रदर्शन कर पाकिस्तान को जीत दिलाना है।

नदीम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता हैं। अभी वह लाहौर में अभ्यास कर रहे हैं। उनके कोच रहे सलमान बट ने भी कहा है कि अरशद जल्द ही दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होंगे। दक्षिण अफ्रीका में, वह अपने विदेशी कोच टर्सियस लीबेनबर्ग और स्थानीय प्रशिक्षकों की देखरेख में कई हफ्तों तक गहन प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस विशेष शिविर का उद्देश्य उनकी सहनशक्ति, ताकत और भाला फेंकने की तकनीक को और बेहतर बनाना है, ताकि वे आने वाली चुनौतियों के लिए पूरी तरह से तैयार हो सकें।

कोच सलमान बट ने बताया कि डायमंड लीग जैसे बड़े आयोजनों से हटना एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। उनका पूरा ध्यान एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप की तैयारी पर है। हम चाहते हैं कि वह इन महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हों, और इसके लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता है जो उन्हें दक्षिण अफ्रीका में मिलेगा।

शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी; सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 24,350 से नीचे

नई दिल्ली। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को झटका लगा। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान में खुले। कच्चे तेल की कीमतें स्थिर होने के बावजूद बाजार सीमित दायरे में रहा। सेंसेक्स करीब 300 अंक गिरकर 77,800.37 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 65.85 अंक की गिरावट के साथ 24,330.00 के स्तर पर आ गया। यह गिरावट बाजार में निवेशकों की चिंता को दशार्ती है। ट्रेंट और हिंडाल्को जैसी कंपनियों के शेयरों में 2 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक संकेतों का भी असर भारतीय बाजार पर पड़ा।

क्या रही सेंसेक्स और निफ्टी की स्थिति?

शुक्रवार को सेंसेक्स 279.59 अंक यानी 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ 77,800.37 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 65.85 अंक या 0.27 फीसदी की गिरावट आई। यह 24,330.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दोनों प्रमुख सूचकांक लगातार सीमित दायरे में बने हुए हैं।

वैश्विक बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। टोक्यो समय अनुसार सुबह 11:47 बजे एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में मामूली बदलाव आया। जापान का टॉपिक्स 0.7 फीसदी की वृद्धि के साथ बंद हुआ। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 और हांगकांग का हैंग सेंग क्रमशः 0.8 फीसदी और 0.7 फीसदी नीचे गिरे। शंघाई कंपोजिट में भी 0.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स 0.3 फीसदी बढ़ा।

डॉलर इंडेक्स 99.9 के करीब, फेडरल रिजर्व की दर वृद्धि की उम्मीदें घटीं

डॉलर इंडेक्स 7 अगस्त को 99.9 के आसपास कारोबार कर रहा था। अमेरिकी मुद्रास्फीति के नरम आंकड़ों ने फेडरल रिजर्व की सितंबर में दर वृद्धि की उम्मीदों को कम कर दिया। जुलाई में अमेरिकी उत्पादक कीमतें अपरिवर्तित रहीं। यह 5 अगस्त की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक रिपोर्ट के बाद हुआ। इससे व्यापक मुद्रास्फीति दबाव सीमित होने का संकेत मिला। बाजार अब सितंबर में 25 आधार अंक की वृद्धि की करीब 35 फीसदी संभावना जता रहे हैं। यह 31 जुलाई को 55 फीसदी से कम है। मुद्रास्फीति के नरम पड़ने से पश्चिम एशिया संघर्ष और उच्च ऊर्जा लागत का प्रभाव कम होने का संकेत मिलता है। फिर भी, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के संभावित समझौते पर अनिश्चितता मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण के लिए जोखिम बनी हुई है।

जेपी एसोसिएट्स के बाद अदाणी ग्रुप ने खरीदी एक और कंपनी

नई दिल्ली। देश का अरबपति कारोबारी घराना अदाणी समूह तेजी अपने बिजनेस का विस्तार कर रहा है और कंपनियों का अधिग्रहण कर रहा है। जेपी एसोसिएट्स के बाद गौतम अदाणी की अगुवाई वाली अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है।

कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, अदाणी रोड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड ने पाथ हाईवेज एलएलपी के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली है।

91.34 करोड़ रुपये की डील

अदाणी एंटरप्राइजेज द्वारा स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि यह अधिग्रहण 91.34 करोड़ रुपये में किया गया है। इस सौदे के तहत, अदाणी रोड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड ने 99.99% और अदाणी रोड [illegible] लिमिटेड ने 0.01% हिस्सेदारी खरीदी है। यह हिस्सेदारी 'प्रकाश एस्फाल्टिंग एंड टोल्स हाईवे (इंडिया) लिमिटेड' और 'श्रीमती नीति अग्रवाल' से खरीदी गई है। कंपनी ने बताया कि यह अधिग्रहण रोड इंफ्रास्ट्रक्चर विकास उद्योग में अपने फुटप्रिंट बढ़ाने की रणनीति के अनुरूप है। पाथ हाईवेज एलएलपी की स्थापना 13 दिसंबर, 2018 को हुई थी और यह मुख्य रूप से रोड इंफ्रास्ट्रक्चर संपत्तियों के लिए एक निवेश होल्डिंग वाहन के रूप में कार्य करती है।

3 बड़े प्रोजेक्ट पर होगा कंट्रोल

इस अधिग्रहण का सबसे बड़ा फायदा यह है कि अदाणी ग्रुप का अब तीन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं पर नियंत्रण बढ़ जाएगा। इस डील से पहले, अडानी रोड ट्रांसपोर्ट और पाथ हाईवेज मिलकर इन प्रोजेक्ट्स में हिस्सेदारी रखते थे। अब अधिग्रहण के बाद, अदाणी रोड ट्रांसपोर्ट की निम्नलिखित कंपनियों में 99.99% हिस्सेदारी हो जाएगी। इनमें मंचेरियल रेपल्लेवाड़ा रोड लिमिटेड, सूयार्पेट खम्मम रोड लिमिटेड, और बिलासपुर पथरापाली रोड लिमिटेड शामिल हैं।

बता दें कि इससे पहले अदाणी ग्रुप ने लंबी चली प्रक्रिया के बाद दिवालिया समूह जेपी एसोसिएट्स को खरीदा था। अदाणी समूह ने दिवालिया प्रक्रिया के तहत कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड का अधिग्रहण 14,535 करोड़ में किया था। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की इलाहाबाद बेंच ने मार्च 2026 में इस डील को अपनी मंजूरी दी थी।

कुमार मंगलम बिड़ला की सबसे बड़ी कंपनी में बड़ा उलटफेर

2896 करोड़ शेयर प्रमोटर ने बेचे और घरेलू फंड्स ने खरीदा

नई दिल्ली। कुमार मंगलम बिड़ला की सबसे बड़ी कंपनी पर बड़ा अपडेट आया है। भारत की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट के प्रमोटरों में से एक, पिलानी इन्वेस्टमेंट एंड इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन ने गुरुवार को खुले बाजार के लेनदेन के माध्यम से कंपनी में लगभग 1 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,896 करोड़ रुपये में बेच दी। बीएसई पर उपलब्ध ब्लॉक डील डेटा के अनुसार, पिलानी इन्वेस्टमेंट एंड इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मुंबई स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड में 0.85 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करने वाले 25 लाख इक्विटी शेयर बेचे। शेयरों को 18 किस्तों में औसतन 11,585 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर बेचा गया, जिससे कुल सौदे का मूल्य 2,896.25 करोड़ रुपये हो गया।

हिस्सेदारी की बिक्री के बाद, पिलानी इन्वेस्टमेंट एंड इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड की हिस्सेदारी 1.5 प्रतिशत से घटकर लगभग 1 प्रतिशत हो गई है, जबकि प्रमोटरों और प्रमोटर समूह की संस्थाओं की संयुक्त हिस्सेदारी 59.33 प्रतिशत से घटकर 58.49 प्रतिशत हो गई है। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड (एमएफ), आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ, कोटक महिंद्रा एमएफ, नेशनल पेंशन इंश्योरेंस फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एमएफ और केनरा एचएसबीसी ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इंश्योरेंस सहित कई घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस लेनदेन में भाग लिया। विदेशी निवेशकों जेपी मॉर्गन और नॉर्वे के सॉवरेन वेल्थ फंड, गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल ने भी शेयर खरीदे।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, खरीदारों ने समान संख्या में शेयर समान कीमत पर खरीदे। अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर बीएसई पर लगभग 1 प्रतिशत गिरकर 11,750 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए। यह हिस्सेदारी बिक्री अल्ट्राटेक सीमेंट द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और पारेषण में लगी कंपनी सोलारिस होराइजन एनर्जी में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के समझौतों की घोषणा के एक दिन बाद हुई है।

अल्ट्राटेक सीमेंट का रिजल्ट कैसा रहा?

पिछले महीने, अल्ट्राटेक सीमेंट ने वित्त वर्ष 2027 की जून तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में 17.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 2,603.72 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया।

शहीदों की चिताओं पर जुड़ेंगे हर बरस मेले

1947 में ब्रिटिश शासन से भारत की आजादी की याद में हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों की याद दिलाता है और हर नागरिक को एकता, देशभक्ति और लोकतंत्र के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है। इस मौके पर स्कूल, कॉलेज और संस्थान भाषण प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं। 'शहीदों की चिताओं पर जुड़ेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा'– जगदंबा प्रसाद मिश्रा की ये दमदार देशभक्ति वाली लाइनें आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती हैं। ये लाइनें देशभक्ति की भावना को पूरी तरह से दिखाती हैं। 15 अगस्त 1947 को अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के साहस और बलिदान की वजह से भारत आजाद हुआ था। हर साल यह दिन हमें आजादी की कीमत, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। स्वतंत्रता दिवस देश के लिए उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने का एक शानदार तरीका है, जिन्होंने अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया।

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशान होगा।' यें लाइनें बताती हैं कि हम 1947 में ऐतिहासिक उपलब्धि अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के साहस, दृढ़ संकल्प और बलिदान से संभव हो पाई थी, जिन्होंने अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। इस खास दिन पर हम महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, रानी लक्ष्मीबाई, चंद्रशेखर आजाद, राम प्रसाद बिस्मिल और कई अन्य बहादुर देशभक्तों को अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिनके बलिदानों ने हमें वह आजादी दिलाई है।

नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारियां

स्वतंत्रता दिवस केवल हमारे देश के इतिहास का उत्सव नहीं है, यह एक नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारियों की याद भी दिलाता है। आजादी के साथ कुछ कर्तव्य भी आते हैं। हमें अपने संविधान का सम्मान करना चाहिए, देश की एकता और विविधता की रक्षा करनी चाहिए, कानून का पालन करना चाहिए, पर्यावरण का ध्यान रखना चाहिए और ईमानदारी, कड़ी मेहनत व दयाभाव के साथ भारत की प्रगति में योगदान देना चाहिए। छात्रों के रूप में हम मन लगाकर पढ़ाई करके, अपने शिक्षकों और माता-पिता का सम्मान करके, दूसरों की मदद करके और जिम्मेदार नागरिक बनकर देश की सेवा कर सकते हैं। दया, अनुशासन और समर्पण के छोटे-छोटे कार्य एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आइए इस अवसर पर हम अपने शहीदों के बलिदानों को याद करें और भारत को शांति, समानता और प्रगति वाला देश बनाने के अपने संकल्प को दोहराएं। हम सब मिलकर उस भारत का निर्माण कर सकते हैं जिसका सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिंद।

स्वतंत्रता दिवस हर साल 15 अगस्त को पूरे भारत में मनाया जाता है। इसी दिन 1947 में ब्रिटिश शासन के बाद देश को आजादी मिली थी। इस मौके पर स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी कार्यालयों और समुदायों में झंडा फहराने के समारोह, देशभक्तिपूर्ण भाषण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, परेड और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह भारत के सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय त्योहारों में से एक है, जो हर नागरिक को आजादी, एकता, लोकतंत्र के मूल्यों और देश की प्रगति में योगदान देने की जिम्मेदारी की याद दिलाता है।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर जरूर करें ये काम

देशभक्ति के साथ ऐसे मनाएं आजादी का पर्व

स्वतंत्रता दिवस या 15 अगस्त सिर्फ एक राष्ट्रीय अवकाश नहीं, बल्कि उन शहीदों को याद करने और उनके बलिदान का सम्मान करने का दिन है, जिन्होंने हमें यह आजादी दी। इस दिन को सार्थक बनाने के लिए हमें कुछ खास कार्य जरूर करने चाहिए, जिससे हमारे अंदर राष्ट्रभक्ति की भावना और भी गहरी हो सके।

राष्ट्रगान गाएं और तिरंगा फहराएं

सुबह उठकर अपने घर या कॉलोनी में ध्वजारोहण करें। इस दौरान पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रगान गाएं। यह हमारे देश के गौरव का प्रतीक है और हमें हमारे संविधान और संप्रभुता की याद दिलाता है। सुनिश्चित करें कि 'भारतीय झंडा संहिता' के नियमों का पालन करते हुए तिरंगा सही तरीके से फहराया जाए और शाम को सम्मानपूर्वक उतारा जाए।

शहीदों को श्रद्धांजलि दें

आजादी की लड़ाई में अपनी जान कुर्बान करने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों को याद करें। आप उनके चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर सकते हैं, दो मिनट का मौन रख सकते हैं या उनकी जीवनी पढ़कर उनके संघर्षों को नमन कर सकते हैं। बच्चों और युवाओं को भी उनके बलिदान और योगदान से अवश्य अवगत कराएं।

देशभक्ति की फिल्में और गाने देखें/सुनें

परिवार और बच्चों के साथ बैठकर देशभक्ति से भरी फिल्में (जैसे सरदार उधम, शेरशाह, भगत सिंह) देखें या प्रेरणादायक देशभक्ति गीत सुनें। ऐसा करने से हमारे अंदर देश के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना मजबूत होती है और यह नई पीढ़ी को हमारे इतिहास व वीरों की गाथाओं से जोड़ने का एक बेहतरीन जरिया है।

समाज सेवा का संकल्प लें

स्वतंत्रता का असली अर्थ तब है, जब हमारा समाज स्वस्थ, शिक्षित और समृद्ध हो। इस दिन गरीबों को भोजन कराने, अनाथ बच्चों को पठन-सामग्री बांटने या वृद्धाश्रम में समय बिताने जैसे सामाजिक कार्य करें। इसके साथ ही 'मेड इन इंडिया' (स्वदेशी) वस्तुओं को प्राथमिकता देने का संकल्प लें।

देश की प्रगति में योगदान का वादा करें

स्वतंत्रता दिवस पर खुद से यह वादा करें कि आप एक जिम्मेदार नागरिक बनकर देश की प्रगति में योगदान देंगे। यह वादा सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने और अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाने का हो सकता है। साथ ही रक्तदान, अंगदान जागरूकता या पौधारोपण जैसे अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लें।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाएं

आजादी के इस पावन पर्व को यादगार बनाने के लिए कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और उसके देखभाल की जिम्मेदारी लें। एक स्वच्छ, हरा-भरा और प्रदूषण-मुक्त भारत ही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार होगा।

स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारक या संग्रहालय जाएं

यदि आपके शहर या आसपास कोई ऐतिहासिक स्थल, स्वतंत्रता सेनानियों का स्मारक या संग्रहालय है, तो परिवार के साथ वहां जरूर जाएं। इससे इतिहास की किताबों में पड़े पन्ने जीवंत हो उठते हैं और देश की आजादी के मोल का वास्तविक अहसास होता है।

सोशल मीडिया पर सकारात्मकता और राष्ट्रप्रेम फैलाएं

आज के डिजिटल युग में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का सही इस्तेमाल करें। भ्रामक या नफरत फैलाने वाली खबरों के बजाय देश की उपलब्धियों, वैज्ञानिकों, खिलाड़ियों और सेना के जवानों की प्रेरक कहानियां शेयर करें। अपने तिरंगे के साथ गर्व से फोटो या संदेश साझा करें।

भारतीय संस्कृति और भाषाओं का सम्मान करें

भारत की विविधता ही हमारी असली ताकत है। इस दिन देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति, वेशभूषा और खान-पान के बारे में जानें। अपनी मातृभाषा के साथ-साथ देश की अन्य भाषाओं और संस्कृतियों का सम्मान करने का संकल्प लें।

अधिकारों के साथ-साथ अपने 'मौलिक कर्तव्यों' को समझें

स्वतंत्रता हमें अधिकार तो देती है, लेकिन इसके साथ ही नागरिकों के कुछ 'मौलिक कर्तव्य' भी हैं। अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखना, जल बचाना, महिलाओं का सम्मान करना और समाज में भाईचारा कायम रखना भी देशभक्ति का ही एक रूप है।

आन-बान-शान के साथ मनाएं 15 अगस्त, पीएम ने देशवासियों से की 'हर घर तिरंगा' अभियान में शामिल होने की अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस गर्व और सम्मान के साथ मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करें और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लें। उन्होंने लोगों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने और स्वतंत्रता दिवस के जश्न में उत्साह के साथ शामिल होने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने कहा, 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा, हर मन तिरंगा।' उन्होंने लोगों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने और स्वतंत्रता दिवस के जश्न में उत्साह के साथ शामिल होने का आह्वान किया। केंद्र सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि 15 अगस्त को ऐतिहासिक लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् गाया जाएगा और इस कार्यक्रम की थीम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा शक्ति का योगदान होगी। भारत 15 अगस्त को अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली के लाल किले से स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। लाल किले में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान युवाओं की उपलब्धियों और योगदान को रेखांकित करने की योजना जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन से पहले ही तय की जा चुकी थी। उन्होंने कहा, 'विकसित भारत की दिशा में हमारी यात्रा में युवा बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, क्योंकि वे इसमें योगदान भी देंगे और उम्मीद है कि इसका लाभ भी उठाएंगे। यही एकमात्र वजह है।'

रक्षा सचिव के अनुसार, प्रधानमंत्री के लाल किले पहुंचने पर वंदे मातरम् का गायन होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और राष्ट्र के नाम पारंपरिक संबोधन देंगे। भारतीय वायुसेना का एमआई-17 हेलीकॉप्टर वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक बैनर लेकर लाल किले के ऊपर से उड़ान भरेगा और वहां मौजूद लोगों पर फूल बरसाएगा।

स्वतंत्रता दिवस पर घर पर ही फहरा रहे हैं तिरंगा, भूलकर भी न करें ये गलतियां

भारत अपना स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए तैयार है. पिछले साल की तरह इस साल भी भारत सरकार ने लोगों से हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा लेने की अपील की है. हर घर तिरंगा अभियान के तहत पीएम मोदी ने सभी से अपने घर की छत, बालकनी पर तिरंग फहराने की अपील की है. साथ ही इसकी फोटो शेयर करनी की भी अपील की है. यदि आप भी हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा ले रहे हैं तो कुछ बातों को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है.

राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम, 1971 की धारा 3.23 राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शन के दुरुपयोग के बारे में बताती है. घर पर तिरंगा फहराने के लिए कुछ खास नियम होते हैं. इसे सबसे पहला होता है तिरंगा का साइज. झंडे का आकार आयताकार होना चाहिए. वहीं, इसकी लंबाई चौड़ाई का अनुपात 3.2 होना चाहिए. अशोक चक्र में 24 तीलियां होनी चाहिए. नियमों के बदलने के बाद आप इसे 24 घंटे और 365 दिनों तक बिना रोकटोक लगा सकते हैं.

घर पर यदि तिरंगा फहरा रहे हैं तो फटा और मैला तिरंगा न फहराएं. यदि किसी कारण आपका तिरंगा फट जाता है तो उसे एकांत में जाकर नष्ट कर दें. इसके अलावा तिरंगे के ऊपर कुछ भी लिखा नहीं होना चाहिए. साथ ही इस पर कुछ भी छपा नहीं होना चाहिए. यदि आपके घर पर तिरंगे के अलावा कोई अन्य ध्वज भी फहराया हुआ है तो ध्यान रखें कि वह तिरंगे से ऊंचा न रखा जाए. साथ ही ये तिरंगे के बराबर भी न हो. सबसे अहम बात स्वतंत्रता दिवस के बाद अपनी छत या बालकनी से तिरंगे को उतार दें और तह करके रख दें. याद रखें कि किसी भी स्थित में झंडा जमीन से नहीं छूना चाहिए. झंडे के किसी भी हिस्से को यदि जलाया जाता है या उसे नुकसान पहुंचाया जाता है तो इसके लिए तीन साल की जेल की सजा का प्रावधान है.

15 अगस्त पर लाल किले से गूंजेगा वंदे मातरम...

देश इस साल 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और देश को संबोधित करेंगे. इस बार स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य फोकस युवा शक्ति 2047 तक विकसित भारत की यात्रा पर रहेगा. इस साल वंदे मातरम् के 150 साल भी पूरे हो रहे हैं. स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम् का सामूहिक गायन होगा. लाल किले की प्राचीर के दोनों तरफ फूलों की सजावट में भी वंदे मातरम् की थीम दिखाई देगी.

लाल किले के सामने ज्ञान पथ पर NCC और मेरा युवा भारत के करीब 2500 छात्र-छात्राएं और स्वयंसेवक वंदे मातरम् की आकृति बनाएंगे. प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद NCC कैडेट और मेरा युवा भारत के स्वयंसेवक राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का गायन करेंगे. इसके बाद राष्ट्रगान होगा. राष्ट्रगीत के दौरान सभी लोगों को सावधान की मुद्रा में खड़े होने के लिए कहा जाएगा. भारतीय वायुसेना का हेलिकॉप्टर वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने की याद में बैनर लेकर लाल किले के ऊपर से उड़ान भरेगा और वहां मौजूद लोगों पर पुष्पवर्षा करेगा.

स्वतंत्र भारत की घोषणा

15 अगस्त 1947 स्वतंत्रता दिवस पर जवाहरलाल नेहरू, लॉर्ड माउन्ट बैटन और एडविना 14 अगस्त 1947 को रात को 11.00 बजे संघटक सभा द्वारा भारत की स्वतंत्रता को मनाने की एक बैठक आरंभ हुई, जिसमें अधिकार प्रदान किए जा रहे थे। जैसे ही घड़ी में रात के 12.00 बजे भारत को आज़ादी मिल गई और भारत एक स्वतंत्र देश बन गया। तत्कालीन स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपना प्रसिद्ध भाषण नियति के साथ भेंट दिया।

जैसे ही मध्य रात्रि हुई, और जब दुनिया सो रही थी, भारत जाग रहा होगा और अपनी आज़ादी की ओर बढ़ेगा। एक ऐसा पल आता है जो इतिहास में दुर्लभ है, जब हम पुराने युग से नए युग की ओर जाते हैं... क्या हम इस अवसर का लाभ उठाने के लिए पर्याप्त बहादुर और बुद्धिमान हैं और हम भविष्य की चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं

– पंडित जवाहरलाल नेहरू

इसके बाद तिरंगा झण्डा फहराया गया और लाल क़िले की प्राचीर से राष्ट्रीय गान गाया गया।

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी 85 सेक्टर 8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच 41 ए, अबुल फजल एनक्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली 110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।